MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 24 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-320

गोल्डन चॉंस!

सस्ता सोना खरीदने में जुटा चीन

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

सोने की कीमतों में भारी गिरावट के बीच चीन पीली धातु को लेकर अपनी अलग रणनीति पर काम कर रहा है। चीन का केंद्रीय बैंक लगातार 24 महीनों से सोने की खरीदारी कर रहा है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अक्टूबर 2026 के चीन स्वर्ण बाजार संबंधी अपडेट के अनुसार, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अक्टूबर में लगभग 26 टन सोना खरीदा। अक्टूबर 2023 के बाद यह उसकी एक महीने में सबसे बड़ी सोने की खरीदारी है।



कीमतें गिरीं, फिर भी खरीदारी जारी

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के केंद्रीय बैंक ने कीमती धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद अक्टूबर में अपने भंडार में सोना जमा करना जारी रखा। इसके साथ ही उसकी खरीदारी का सिलसिला लगातार 24 महीनों तक पहुंच गया है।

विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, अक्टूबर में करीब 26 टन सोना खरीदने के बाद चीन का आधिकारिक स्वर्ण भंडार बढ़कर 2,435 टन हो गया है। यह उसके विदेशी मुद्रा भंडार का 8.1 प्रतिशत है।

खास बात यह है कि चीन ऐसे समय में भी जमकर सोना खरीद रहा है, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट आई है। इसका असर चीन के स्वर्ण भंडार के मूल्य पर भी पड़ा है।

अंतरराष्ट्रीय सर्राफा कीमतों पर नजर डालें तो बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, अक्टूबर के दौरान एलबीएमए गोल्ड प्राइस पीएम में अमेरिकी डॉलर के हिसाब से 6.3 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि शंघाई बेंचमार्क गोल्ड प्राइस पीएम में चीनी युआन के हिसाब से 5.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस कमजोरी के कारण अक्टूबर तक इस साल सोने की कीमतों में डॉलर के हिसाब से 7.1 प्रतिशत और युआन के हिसाब से 9.4 प्रतिशत की गिरावट आई।

▶8पर

मोदी एशिया में नं.2

चीन अभी भी भारत से 80% अधिक ताकतवर

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन की ताकत के बीच का अंतर पिछले आठ वर्षों में सबसे कम हो गया है। ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट की 2026 एशिया पावर इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने चुनौतीपूर्ण आर्थिक और घरेलू परिस्थितियों के बावजूद एशिया में अपनी ताकत और प्रभाव बढ़ाया है। रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया का दूसरा सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता बताया गया है। इस मामले में वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे स्थान पर हैं।



सिडनी स्थित लोवी इंस्टीट्यूट ने रविवार को यह रिपोर्ट जारी की। इसके मुताबिक, भारत एशिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली ताकत बना हुआ है। इस सूची में अमेरिका पहले और चीन दूसरे स्थान पर हैं। भारत का कुल शक्ति स्कोर 0.5 अंक बढ़कर 40.5 हो गया है। हालांकि, चीन की कुल ताकत अब भी भारत से करीब 80 प्रतिशत अधिक है। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच स्कोर का अंतर 2018 में सूचकांक शुरू होने के बाद सबसे कम है। ▶8पर

हुआंग लौटे

एनवीडिया के फिर बने सीईओ

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

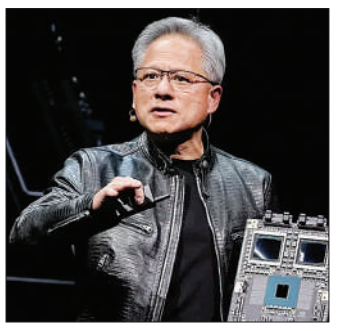

दुनिया की सबसे बड़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिप कंपनियों में शामिल एनवीडिया में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कंपनी के सह-संस्थापक जेनसन हुआंग एक बार फिर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की कुर्सी पर लौट आए हैं। 12 नवंबर को इस्तीफा देने के बाद 23 नवंबर को कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष, सीईओ और निदेशक नियुक्त कर दिया। खास बात यह है कि कुछ दिन पहले तक बोर्ड उनकी वापसी के पक्ष में नहीं था। अब अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मिले सुझावों और जानकारियों के बाद बोर्ड ने कहा है कि हुआंग की वापसी से राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। हालांकि, उनसे जुड़े मामले की स्वतंत्र जांच अभी जारी रहेगी।

एनवीडिया ने 23 नवंबर को अपने आधिकारिक समाचार कक्ष में जेनसन हुआंग की वापसी की पुष्टि की। बोर्ड ने सर्वसम्मति से उन्हें फिर से कंपनी का अध्यक्ष, सीईओ और निदेशक नियुक्त किया है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ दिन पहले ही बोर्ड ने उनकी वापसी की संभावना से इनकार किया था। अब कंपनी का कहना है कि अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर बोर्ड को उनकी वापसी से राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं दिखता।

तकनीकी दुनिया में किसी बड़ी कंपनी के सीईओ का इस्तीफा अपने आप में बड़ी खबर होती है, लेकिन महज 11 दिन बाद उसी व्यक्ति की वापसी हो जाए तो मामला और भी दिलचस्प हो जाता है। एनवीडिया में ऐसा ही हुआ है। एआई चिप के क्षेत्र में कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले जेनसन हुआंग फिर से इसकी कमान संभालेंगे।

बोर्ड के मुताबिक, हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकें हुईं। इसके बाद बोर्ड को उनके जवाबों और कंपनी का नेतृत्व करने की क्षमता पर भरोसा हुआ। ▶8पर

US मार्केट में वापसी का जश्न शेयर 30% उछले

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

जेनसन हुआंग ने 12 नवंबर 2026 को एनवीडिया के सीईओ पद से इस्तीफा दिया था, लेकिन महज 11 दिन बाद ही उनकी वापसी हो गई। एनवीडिया के निदेशक मंडल ने उन्हें दोबारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है।

जेनसन हुआंग की वापसी ने निवेशकों में नया उत्साह भर दिया है। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार खुलते ही एनवीडिया के शेयरों में करीब 30 प्रतिशत की शानदार तेजी दर्ज की गई। इस उछाल के साथ कंपनी के शेयर 167.04 डॉलर पर खुले। एनवीडिया के शेयरों में तेजी से अमेरिकी शेयर बाजार का रुख भी सकारात्मक हो गया। तकनीकी सूचकांक नैस्डैक में करीब 5 प्रतिशत की तेजी देखी गई। हालांकि, इस उछाल के बावजूद एनवीडिया के शेयर पिछले एक महीने में 20 प्रतिशत से अधिक गिर चुके हैं।

दरअसल, जेनसन हुआंग की वापसी का ▶8पर

बालेन-मोदी स्नेह मिलन

नेपाल बिन राम अधूरे

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

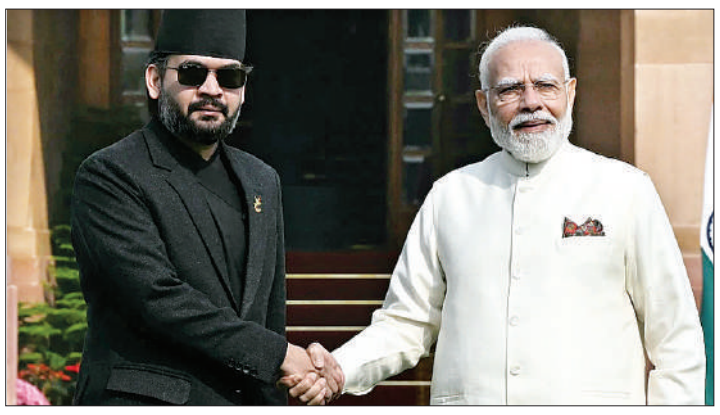

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपनी पहली राजकीय यात्रा पर भारत आए हैं। सोमवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन में बालेन शाह का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद हैदराबाद हाउस में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल में आई बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही नेपाल के लिए 24,000 करोड़ नेपाली रुपये के विकास पैकेज की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध साझा इतिहास, आस्था, संस्कृति और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे जुड़ाव से बंधे हैं।

नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे

प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान राम और माता सीता को भारत तथा नेपाल की साझा सभ्यता और आस्था का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, नेपाल के बिना हमारे धाम अधूरे हैं। नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे हैं।

उन्होंने कहा कि सरयू-कमल एक्सप्रेस ट्रेन सेवा के माध्यम से दोनों देश अपने संबंधों को नया आयाम दे रहे हैं। यह ट्रेन सेवा अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को नेपाल के जनकपुर तक की यात्रा करने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल पड़ोस का नहीं, बल्कि अपनेपन और अटूट विश्वास का रिश्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत नेपाल को व्यापार के लिए कांडला और पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच उपलब्ध कराएगा। इससे नेपाल के व्यापार को आसान बनाने और दोनों देशों के बीच संपर्क व्यवस्था बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश और भारत के दूसरे राज्यों को नेपाल से जोड़ने वाली सड़क, रेल और सीमा संपर्क परियोजनाओं को भी गति दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल की आपूर्ति में चुनौतियों के बावजूद भारत ने नेपाल को ईंधन और खाद की आपूर्ति जारी रखी। अब मोतिहारी-अमलेखगंज पाइपलाइन के दूसरे चरण का उद्घाटन और झापा पेट्रोलियम टर्मिनल का शिलान्यास इस साझेदारी को और मजबूत करेगा। ▶8पर

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री जीण भगवते नमः ॥ श्री श्याम देवाय नमः ॥ श्री हनुमंते नमः ॥
भाग्यनगर (हैदराबाद) के बेगम बाजार में पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर
22 नवम्बर से 26 नवम्बर 2026 तक
प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
26 नवंबर 2026
शुभस्थल : खेमदास मठ (चूड़ी धाम), चूडी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद
पावन सान्निध्य
महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी
मठाधीश खेमदास मठ
श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य पं. श्री भंवरलाल शर्मा हैदराबाद
श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश महमियाँ मुंबई
मंगलवार दि.24-11-2026 सायं 7:00 बजे से
संगीतमय सुन्दरकाण्ड परायण
मंगलपाठ वाचक – श्री कैलाश जावड़ा, भाग्यनगर
Food Partner KAVITA CATERERS
Media Partner CLICK MAGIK
Sound Partner CAD CHAHAK AUDIO
Travel Partner PADMAVATI TRAVELS
गिरीश कुमार गुप्ता 9866433800
दिलीप कुमार जैन 9866991098
विनय जैन 9150000099
रमाकान्त गोयल 9391034050
दीपक गुप्ता 8008066000
प्रतीक कुमार नारसरिया 9247253655
भाग्यनगर की सभी धार्मिक संस्थाएं एवं भक्तगण सादर आमंत्रित है
सत्यनारायण राजेंद्र कुमार तुंदावाले (सत्तू दादा)
A 201 Gvk Sky City Somajiguda, Hyderabad 500082
नागरमल ओमप्रकाश पंच बसईवाले
RK AGARWAL STORES (Wholesale Kirana Merchant)
Address : 2nd Gate Malakpet Gunj, Hyderabad 500036
Ramakanth Goel : 9391034050, Shashikanth Goel : 9440203004, Shyam Agarwal : 9866584420
अमरनाथ दिलीप कुमार जैन
पुरणमल सुमेरचंद जैन, हैदराबाद
Kitty Party | Birthday Party | Corporate Meetings
AMRITSAR HAVELI
THE KING OF AMRITSARI KULCHA
FOR RESERVATION - BANQUET & RESTAURANT CALL 9281411691
2ND FLOOR, LEGEND BLUE HOPE, TILAK ROAD, ABOVE MAX SHOWROOM ABIDS, HYDERABAD

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 14^0

बिसलेरी सुरक्षित

कंपनी ने सैपल नतीजों पर किया दावा



नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के परिसर से पैकेज्ड पेयजल का एक नमूना जांच के लिए लिया था। एफएसएसएआई के मुताबिक, शुरुआती प्रयोगशाला जांच में पानी में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा के अनुरूप नहीं पाई गई। इसके आधार पर इस नमूने को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत असुरक्षित घोषित किया गया। शुरुआती जांच के नतीजों से असहमति जताते हुए कंपनी ने अपील की। इसके बाद नमूने को दोबारा जांच के लिए संदर्भ खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया। एफएसएसएआई के मुताबिक, संदर्भ प्रयोगशाला ने भी नमूने को असुरक्षित घोषित किया और उसमें पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) की मौजूदगी पाई।

बिसलेरी पर एफएसएसएआई ने क्या कार्रवाई की?

संदर्भ खाद्य प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर एफएसएसएआई ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी दी है। यानी नियामक ने कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी है। ▶8पर



ईरान ने किया गुप्त भूमिगत मिसाइल सिटी और ट्विन लान्चर का खुलासा

तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने एक गुप्त भूमिगत मिसाइल सिटी का वीडियो जारी कर दुनिया को चौंका दिया है। इस वीडियो में एक नया और बेहद शक्तिशाली मिसाइल लान्चर प्रदर्शित किया गया है, जो एक साथ दो तरल-ईंधन वाली मिसाइलों को दागने में सक्षम है। यह अपनी तरह का पहला ऐसा सिस्टम है, जिसने दुनिया भर के रक्षा जानकारों को हैरान कर दिया है। आईआरजीसी के कमांडर-इन-चीफ अहमद वाहिदी ने पहली बार इस भूमिगत ठिकाने का दौरा किया और दुश्मनों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि यह तो बस शुरुआत है।

यह नया ट्विन मिसाइल लान्चर ईरान की सैन्य क्षमता में एक महत्वपूर्ण उछाल दर्शाता है। जानकारों के अनुसार, एक ही बार में दो तरल-ईंधन वाली मिसाइलों को लोड करके फायर करने की क्षमता सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। जब एक साथ दो मिसाइलें दागी जाती हैं, तो दुश्मन के रडार और वायु रक्षा प्रणालियों पर भारी दबाव पड़ता है, जिससे हर मिसाइल को हवा में रोक पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। इससे हमले की रफ्तार और मारक क्षमता दोनों में कई गुना वृद्धि होती है। कम लान्चरों में अधिक मिसाइलें ले जाने से कम समय में बड़ा हमला किया जा सकता है, और मिसाइल दागने के बाद लान्चर को तुरंत दूसरी जगह ले जाने में भी आसानी होती है। तरल-ईंधन वाली मिसाइलों को संभालना और उनमें ईंधन भरना ठोस-ईंधन वाली मिसाइलों की तुलना में अधिक संवेदनशील और जटिल कार्य होता है। ऐसे में एक ही लान्चर से दो तरल-ईंधन वाली मिसाइलों को संचालित करना ईरान की उन्नत तकनीकी तैयारियों का स्पष्ट संकेत है। भूमिगत मिसाइल सिटी का नजारा भी बेहद भयावह है। जारी वीडियो में जमीन के काफी नीचे बनी लंबी और मजबूत सुरंगों के भीतर मिसाइलों का विशाल जखीरा नजर आ रहा है। जमीन के ऊपर बने सैन्य ठिकानों के मुकाबले ये भूमिगत मिसाइल सिटी हवाई हमलों से कहीं अधिक सुरक्षित मानी जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जमीन के नीचे और मजबूत चट्टानों के बीच बने इन अड्डों को सैटेलाइट से पूरी तरह देख पाना और हवाई हमलों से तबाह करना आसान नहीं होता। ईरान ने ये भूमिगत ठिकाने इसलिए बनाए हैं ताकि किसी बड़े हमले के बाद भी उसके मिसाइल भंडार सुरक्षित रहें और वह तुरंत पलटवार कर सके। यह दौरा महज कुछ दिन बाद ही हुआ है, जब 10 नवंबर को आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स ने एक और नई भूमिगत मिसाइल फैसिलिटी दुनिया के सामने रखी थी। इतने कम समय में एक के बाद एक भूमिगत मिसाइल ठिकानों और नए लान्चरों को प्रदर्शित करना ईरान की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा लगता है। वह यह संदेश देना चाहता है कि तमाम दबावों के बावजूद उसके मिसाइल कार्यक्रम की रफ्तार रुकी नहीं है और उसके पास ऐसे हथियार तथा सुरक्षित ठिकाने मौजूद हैं जो दुश्मन के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। इन अंडरग्राउंड मिसाइल शहरों और ट्विन लान्चर के वीडियो ने निश्चित रूप से दुश्मनों की बेचैनी बढ़ा दी है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान की सेना ने बलोचिस्तान में स्वास्थ्य कर्मचारी को अगवा किया, गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान की सेना ने बलोचिस्तान में धावा बोलकर एक स्वास्थ्य कर्मचारी को अगवा कर लिया है। इस बीच कई इलाकों में गोलीबारी होने की सूचना है। इस घटना में एक व्यक्ति के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। उधर, अगस्त में जबरन गायब किए गए कुछ लोगों के अपने घर पहुंचने बात कही जा रही है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने मस्तुंग जिले के दश्त जलाब गोंडन इलाके के नदीम बलूच को हिरासत में लेने के बाद गायब कर दिया। यह वाकया 18 नवंबर का बताया गया है। मोइन कुर्द के बेटे नदीम बलूच के गायब होने की जानकारी अब सामने आई है। स्वास्थ्य कर्मचारी नदीम को मस्तुंग के दश्त जलाब गोंडन इलाके में बेसिक हेल्थ सेंटर से हिरासत में लिया गया। इस बीच बलोचिस्तान के कई इलाकों में गोलीबारी की खबर मिली है। चगाई जिले के दलबंदिन इलाके के धादर में हथियारबंद लोगों ने एक कार्गो बस पर फायरिंग की, जिससे बस ड्राइवर की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद शव और घायलों को डीएचक्यू अस्पताल दलबंदिन में शिफ्ट भेजा गया। गोलीबारी में मारे गए ड्राइवर की पहचान अब्दुल वहीद के रूप में हुई है। वह क्वेटा का रहने वाला है। घायलों में औबैदुल्ला सुकना नुश्की, फैक और मोहसिन सुकना क्वेटा शामिल हैं। इसके अलावा नुश्की मिल इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और महिलाओं और बच्चों समेत कई यात्री घायल हो गए। दूसरी तरफ, बोलान जिले के मिश्काफ इलाके से दो अज्ञात शव बरामद किए गए हैं। डीएसपी शेर अहमद के मुताबिक, दोनों शव मिश्काफ के पास मिले, लेकिन अभी तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है। केच जिले के मुख्य शहर तुर्बत के शाहरक इलाके में भी एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, 19 अगस्त, 2026 से गायब चार लोगों को 21 नवंबर को क्वेटा से बरामद किया गया।

महिला के फोन से भेजीं न्यूड तस्वीरें, भारतीय मूल का युवक पुलिस हिरासत में



वाशिंगटन। अमेरिका इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने भारतीय मूल के राहुल आनंदकृष्णन को हिरासत में लिया है। टेक्सस में बिना अनुमति के आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो लेना के प्रयास के मामले में दोषी पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है। यह मामला 7 जून का है। आईसीई ने बताया कि आनंदकृष्णन पहले ही काउंटी जेल में सजा काट चुका है और अब इमिग्रेशन कोर्ट की कार्यवाही पूरी होने तक वह हिरासत में ही रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आस्टिन पुलिस को कैपिटल प्लाजा शापिंग सेंटर स्थित टोटल वायरलेस स्टोर से सूचना मिली थी। एक महिला ने शिकायत की थी कि स्टोर के एक कर्मचारी ने उसका फोन लिया और उसकी निजी तस्वीरें खुद को भेज लीं।

ब्रिटेन की महिला के शरीर में डबल है गर्भाशय, सर्विक्स और वजाइना

लंदन। ब्रिटेन के बकिंघमशायर की रहने वाली हेजल जोन्स को 18 वर्ष की आयु में पता चला कि उनकी शारीरिक संरचना सामान्य महिलाओं से काफी भिन्न है। हेजल जोन्स एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात स्थिति के साथ पैदा हुई थीं, जिसमें उनके शरीर में एक के बजाय दो पूरी तरह से विकसित गर्भाशय, दो सर्विक्स और दो वजाइना मौजूद हैं। साल 2012 में हेजल ने एक मीडिया साक्षात्कार में अपनी इस अनोखी शारीरिक बनावट के बारे में खुलकर जानकारी साझा की, जिसके बाद उन्हें वैश्विक स्तर पर व्यापक ध्यान मिला। हेजल जोन्स के जन्म के समय न तो डाक्टरों को और न ही उनके परिवार को इस बात का आभास था कि उनके शरीर के भीतर दो प्रजनन तंत्र विकसित हो रहे हैं। उनका बचपन सामान्य रूप से बीता, परंतु किशोरावस्था में किशोरावस्था के शारीरिक बदलाव शुरू होने पर उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्हें मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक असहनीय पीड़ा और भारी रक्तस्राव होता था। उस समय हेजल को लगा कि शायद यह सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब असहजता बढ़ी तो उन्होंने संकोचवश किसी को नहीं बताया। 18 वर्ष की आयु में चिकित्सकीय जांच के उपरांत डाक्टरों ने स्पष्ट किया कि उनके शरीर में दो अलग-अलग गर्भाशय और दो वजाइना विद्यमान हैं। डाक्टरों के अनुसार, दो गर्भाशय होने के कारण ही उन्हें दोगुनी शारीरिक पीड़ा और रक्तस्राव झेलना पड़ता था। जब हेजल की यह कहानी मीडिया के माध्यम से सामने आई, तो एक प्रसिद्ध एडल्ट एंटरटेनमेंट कंपनी ने उन्हें एक फिल्म में काम करने के बदले 8 करोड़ रुपये (10 लाख डालर) से अधिक का भारी-भरकम प्रस्ताव दिया। हालांकि, हेजल जोन्स ने इस व्यावसायिक प्रस्ताव को तुरंत खारिज कर दिया। उनका स्पष्ट मानना था कि वे अपनी इस चिकित्सीय स्थिति को किसी भी प्रकार के तमाशे या अश्लीलता का साधन नहीं बनने देंगी।

चीन में पुतिन और शी से मिलकर ट्रंप को क्या मिला, अमेरिकी मीडिया में घूम रहा ये सवाल

बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ त्रिपक्षीय बैठक से उन्हें क्या ठोस हासिल हुआ, यह सवाल अभी भी बना हुआ है। बैठक के दौरान कोई स्पष्ट एजेंडा या ठोस मांग सामने नहीं आई, इससे ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप को इस शिखर सम्मेलन से बहुत कुछ हासिल नहीं हो सका। शायद बैठक की सबसे स्थायी स्मृति इसकी आप्टिक्स यानी भव्य तस्वीरें और दिखने वाला प्रभाव ही रहेगा। राजनीतिक टिप्पणीकारों ने बैठक को याल्टा 2.0 तक कह रहे है। अमेरिकी राष्ट्रपति को इस महीने की शुरुआत में मिडटर्म चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद इसतरह के तामझाम और वैश्विक ध्यान की सख्त जरूरत थी।

एशिया के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने अमेरिका, रूस और चीन के बीच पहली त्रिपक्षीय बैठक के ऐतिहासिक महत्व का भरपूर आनंद लिया। अपने इंटरव्यू में ट्रंप ने एपेक डिनर में अपनी प्रमुख जगह और चीन में मिले भव्य स्वागत का जिक्र किया, जो कि उन्होंने अपनी यात्रा की सफलता का प्रमाण बताया। यह सफलता का पैमाना छोटा लग सकता है, लेकिन यह अमेरिकी राष्ट्रपति को संतुष्ट होने का एक कारण ज़रूर देता है। हालांकि, इस त्रिपक्षीय बैठक के बाद अमेरिका की ओर से असाधारण रूप से कम बयान जारी किए गए।

चीन ने बातचीत का विस्तृत संयुक्त बयान तुरंत जारी कर दिया, वहीं पुतिन ने बैठक के बाद एक घंटे की प्रेसवार्ता में अपनी बात रखी। लेकिन ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर बहुत कम टिप्पणी की और शुक्रवार को व्हाइट हाउस में प्रेसवार्ता करने का वादा किया। पिछली बार चीन और दक्षिण कोरिया के दौरे के बाद ट्रंप वाशिंगटन लौटते समय विमान में ही मीडिया से बात करने लगे थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।

व्हाइट हाउस ने बाद में तीनों नेताओं की मुलाकात के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया, लेकिन यह काफी अस्पष्ट था। इसमें रणनीतिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिशों का सामान्य समर्थन किया गया। परमाणु युद्ध कभी नहीं लड़ा जाना चाहिए की स्वीकारोक्ति और भविष्य में बातचीत जारी रखने के वादों के अलावा, बयानबाजी में कोई ठोस बात सामने नहीं आई। बुश फाउंडेशन के प्रमुख डेविड फ़ायरस्टीन ने कहा कि कुल मिलाकर, दुनिया की बड़ी ताकतों के नेताओं का अलग-अलग तरीके से एक साथ आना अच्छी बात है, भले ही इसके नतीजे बहुत मामूली ही क्यों न दिखाई दें। बयान में रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ावा देने की बात शायद रूसी हितों को साधती है।



वहीं, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) की निंदा भी प्रमुखता से शामिल थी, जो हाल के समय में अमेरिका की नाराजगी का निशाना रहा है। यह दिखाता है कि अगर दुनिया की तीन बड़ी ताकतें किसी एक बात पर सहमत हो सकती हैं, तो वह यह है कि बहुपक्षीय वैश्विक संगठनों को अपने कानून लागू करने की कोशिशों के लिए पर्याप्त अधिकार नहीं मिलने चाहिए।

इजराइल में नई सरकार गठन की कवायद तेज, लिकुड पार्टी ने शामिल होने रखी शर्तें

तेल अवीव। इजराइल में राष्ट्रीय एकता सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने संभावित गठबंधन सरकार में शामिल होने के लिए कई अहम और कड़ी शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया में युद्ध के दौरान स्थापित किए गए इजराइली सुरक्षा क्षेत्रों को बरकरार रखने की प्रतिबद्धता प्रमुख है। लिकुड पार्टी ने अपनी आधिकारिक पत्र में इन शर्तों का स्पष्ट उल्लेख किया है। यह घटनाक्रम गादी आइजेनकोट की याशर पार्टी द्वारा लिकुड को व्यापक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए गठबंधन वार्ता शुरू करने के निमंत्रण के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक याशर पार्टी ने घोषणा की है कि उनकी वार्ता टीम सरकार गठन की संभावनाओं को तलाशने के लिए सभी विकल्पों पर विचार करेगी और देश के राजनीतिक गतिरोध को तोड़ने का प्रयास करेगी। लिकुड की प्रस्तावित शर्तों में इजराइल को यहूदी लोगों का नेशन-स्टेट मानने, फिलिस्तीनी राष्ट्र की स्थापना को सिरे से खारिज करने और अति-रूढ़िवादी यहूदी छात्रों की सैन्य सेवा से जुड़े संवेदनशील मुद्दे पर सहमति बनाने की मांग भी शामिल है। इससे पहले, लिकुड पार्टी ने विपक्षी गठबंधन के साथ राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए यह शर्त रखी थी कि हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले की जांच के लिए राज्यस्तरीय जांच आयोग गठित नहीं किया जाएगा।

बजरी की खुदाई में मिला 3000 साल पुराना खजाना



वाशिंगटन

स्पेन की एक बजरी की खदान से करीब 3000 साल पुराने सोने के खजाना मिला है। ये हैरान कर देने वाली घटना स्पेन के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित विलेना शहर के पास की है। साल 1963 के दिसंबर महीने में, स्थानीय पुरातत्वविदों की अगुवाई में खुदाई के दौरान यह खजाना दुनिया के सामने आया। इतिहास में इसे ट्रेजर आफ विलेना के नाम से जाना जाता है। इसमें सोने के 60 से ज्यादा बेहद खूबसूरत कटोरे, बोतलें और कंगन शामिल थे। कांस्य युग के इस सोने को देखकर पूरी दुनिया हैरान थी, लेकिन उस वक्त इस पूरे खजाने में दो ऐसी चीजें भी थीं, जो काफी धुंधली, जंग लगी और दिखने में बहुत मामूली थीं। शुरुआत में, जानकारों को लगा था कि ये सामान्य लोहे की धातु है, लेकिन ये दो मामूली दिखने वाली चीजें असल में सोने से भी करोड़ों गुना कीमती साबित हुईं। लगभग छह दशक बाद, जब जानकारों की एक शोध टीम ने इन दोनों वस्तुओं के छोटे-छोटे नमूने लेकर आधुनिक मास स्पेक्ट्रोमेट्री जांच की, तो परिणाम चौंकाने वाले थे। जांच के नतीजों ने साफ कर दिया कि ये लोहा पृथ्वी की किसी खदान से नहीं निकाला गया था, बल्कि ये आसमान से टूटे किसी उल्कापिंड का हिस्सा था। यानी ये खजाना सिर्फ प्राचीन इतिहास का हिस्सा नहीं था, बल्कि इसमें अंतरिक्ष का एलियन मेटल मिला हुआ था। जानकारों के अनुसार, ये दोनों चीजें 1400 ईसा पूर्व से 1200 ईसा पूर्व के बीच बनाई गई थीं। उस दौर में पश्चिमी यूरोप में लोहे को पिघलाकर धातु बनाने की तकनीक की शुरुआत ही नहीं हुई थी। लोग केवल तांबे और कांस्य का इस्तेमाल करना जानते थे। ऐसे में आसमान से गिरने वाला उल्कापिंड ही लोहे का एकमात्र जरिया था। क्योंकि ये धातु सीधे अंतरिक्ष से आती थी और बेहद दुर्लभ थी, इसलिए उस जमाने के कारीगर इसे सोने और चांदी से भी ज्यादा कीमती मानते थे। यही वजह थी कि इस अंतरिक्षीय लोहे को सोने के बहुमूल्य गहनों और बर्तनों के साथ संभालकर रखा गया था।

इबेरियन प्रायद्वीप यानी स्पेन में पाया गया ये उल्कापिंडीय लोहा अब तक का सबसे पुराना ऐतिहासिक सबूत बन गया है। जानकारों का मानना है कि स्थानीय कारीगरों को शायद उल्कापिंड के लोहे को ढालने का तरीका नहीं मालूम था। संभव है कि ये दूर-दराज के व्यापारिक रास्तों से होकर पूर्वी भूमध्य सागर के इलाकों से स्पेन पहुंचा होगा। मिस्र के मशहूर राजा तूतनखामेन की कब्र से मिला उनका प्रसिद्ध खंजर भी इसी तरह के उल्कापिंड के लोहे से बना हुआ था। इस नए खुलासे ने ये साबित कर दिया है कि प्राचीन काल के इंसान का नाता सिर्फ जमीन से ही नहीं, बल्कि आसमान से गिरने वाले तारों और पत्थरों से भी बहुत गहरा था।

व्यक्ति के ब्लड ग्रुप के आधार पर नहीं होता है बुद्धिमत्ता का आकलन : शोध



कैलिफोर्निया। सोशल मीडिया और कुछ स्वास्थ्य संबंधी लेखों में दावा किया जाता है कि बी पाजिटिव और ओ पाजिटिव ब्लड ग्रुप वाले लोगों की याददाश्त, एकाग्रता और सोचने-समझने की क्षमता अन्य ब्लड ग्रुप वालों से बेहतर होती है। हालांकि, इस दावे को साबित करने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। एक रिपोर्ट में कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के 69 लोगों पर किए गए अध्ययन का उल्लेख किया गया है। इसमें दावा किया गया कि बी पाजिटिव और ओ पाजिटिव ब्लड ग्रुप वाले लोगों के मस्तिष्क की सक्रियता और प्रतिक्रिया क्षमता बेहतर पाई गई। हालांकि, इतने छोटे अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि इन दोनों ब्लड ग्रुप के सभी लोगों का दिमाग दूसरों से तेज चलता है। किसी शोध के निष्कर्ष को व्यापक रूप से स्वीकार करने के लिए बड़े समूह पर अध्ययन और स्वतंत्र वैज्ञानिक पुष्टि जरूरी होती है। दावे के अनुसार, बी पाजिटिव ब्लड ग्रुप वाले लोगों में मस्तिष्क के कुछ हिस्सों की सक्रियता अधिक होती है। इसमें पेराइटल और टेम्पोरल लोब का उल्लेख किया गया है। मस्तिष्क के ये हिस्से कई महत्वपूर्ण कार्यों में भूमिका निभाते हैं। पेराइटल लोब संवेदनाओं और स्थानिक जानकारी को समझने में मदद करता है, जबकि टेम्पोरल लोब सुनने, भाषा और याददाश्त से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सम्राट ट्राजन कालीन उल्पिया पुस्तकालय मरम्मत के बाद फिर खुला

रोम

रोम में सम्राट ट्राजन कालीन उल्पिया पुस्तकालय को मरम्मत के बाद सप्ताह आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। यह प्राचीन दुनिया के महत्वपूर्ण पुस्तकालयों में से एक है, जो अब ट्राजन के फोरम में, उनके प्रसिद्ध विजय स्तंभ के पास स्थित है। भले ही मिस्र का अलेक्जेंड्रिया पुस्तकालय नष्ट हो गया हो, लेकिन प्राचीन रोम का यह ऐतिहासिक केंद्र एक सदी से अधिक समय के बाद फिर से जीवंत हो उठा है। यह पुस्तकालय करीब एक सदी तक आम लोगों की पहुंच से बाहर रहा।

पुरातत्वविद् और रोम के सांस्कृतिक विरासत विभाग के अधीक्षक क्लाउडियो पारिसी प्रेसिचे के अनुसार, मिस्र के अलेक्जेंड्रिया और एशिया माइनर के पर्गामोन पुस्तकालयों के बाद, ट्राजन के फोरम का यह पुस्तकालय हस्तलिखित ग्रंथों और दस्तावेजों (वाल्यूमिना) की विशाल संख्या के कारण निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके अवशेष 1932 में बेनिटो मुसोलिनी की सरकार द्वारा सड़क निर्माण के दौरान खोजे गए थे, जिसे बाद में प्रसिद्ध विया देई फोरी इम्पीरियली के नाम से जाना गया। खुदाई के बाद इस स्थल को कंक्रीट से ढककर ट्राजन फोरम से मिले असंख्य पुरावशेषों के भंडार कक्ष के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा था। 112 ईस्वी में निर्मित ट्राजन का फोरम रोमन साम्राज्य के शाही मंचों में सबसे भव्य और अंतिम माना जाता है। प्रेसिचे के अनुसार, इसकी दीवारों में बनी छोटी-छोटी अलमारियों जैसी जगहें इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह उल्पिया पुस्तकालय की दो मंजिला इमारतों में से एक थी, जैसा कि प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख है। रोम के सांस्कृतिक विरासत विभाग ने इसकी पहचान उल्पिया पुस्तकालय की पश्चिमी इमारत के रूप में की है, जहाँ प्राचीन यूनानी पांडुलिपियाँ रखी जाती थीं। नई स्थायी प्रदर्शनी आगंतुकों को पुस्तकालय के पुराने स्वरूप की झलक प्रदान करती है, जिसमें दीवारों पर सफेद और फर्श तथा स्तंभों पर अलग-अलग रंगों के संगमरमर की मूल सजावट के अवशेष प्रदर्शित हैं। दीवारों पर इमर्सिव वीडियो मैपिंग के जरिए पुस्तकालय के इतिहास और उसकी खोज की कहानी भी दिखाई जाती है। हालांकि, अब यहाँ पांडुलिपियों से भरी अलमारियों की जगह टूटे हुए कोरिंथियन स्तंभों और मूर्तियों के अवशेष ही दिखते हैं। पुस्तकालय का जीर्णोद्धार कार्य हाल ही में पूरा हुआ है, जिस पर यूरोपीय संघ के महामारी राहत कोष से 17.5 लाख यूरो (लगभग 19.2 लाख अमेरिकी डालर) का खर्च आया है। शुरुआत में, यह पुस्तकालय केवल शुक्रवार, शनिवार और रविवार को ही पर्यटकों के लिए खुला रहेगा, जहाँ हर 40 मिनट में अधिकतम 20 आगंतुकों के समूह को प्रवेश मिलेगा। पुस्तकालय की पूर्वी इमारत, जहाँ लैटिन पांडुलिपियां रखी जाती थीं, ट्राजन फोरम के दूसरी ओर स्थित एक 18वीं सदी के चर्च के नीचे अभी भी दबी हुई है।



ईरान का बहरीन में अमेरिकी वायु रक्षा रडार प्रणालियों पर हमले का दावा

मनामा (बहरीन)/तेहरान (ईरान)

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने बहरीन में अमेरिकी वायु रक्षा रडार प्रणालियों पर हमला और होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर एक प्रिडेटर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने 21 नवंबर को कहा कि ईरान के हमले में एक नागरिक औद्योगिक इकाई को निशाना बनाया गया। इससे वहां आग लग गई और दो लोग घायल हो गए। यह घटना संभावित खतरे की चेतावनी जारी किए जाने के एक घंटे बाद हुई।

अल जजीरा और खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार,आईआरजीसी का दावा है कि उसने बहरीन में अमेरिकी वायु रक्षा रडार प्रणालियों पर हमला किया और होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर एक प्रिडेटर ड्रोन को मार गिराया। खबरों के अनुसार, 13 नवंबर से बहरीन को फिर से ईरान कीआक्रामकता का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे व्यापक संघर्ष के बीच बहरीन में एक हफ्ते से भी ज्यादा समय से हमले हो रहे हैं। हाल ही में हुए एक हमले के कारण एक नागरिक ठिकाने पर आग लग गई और बहरीन में दो लोग घायल हो गए।

ईरान का कहना है कि वह इस क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर रहा है, लेकिन बहरीन और अमेरिका ने इन दावों का खंडन किया है। बहरीन ने इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। बहरीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, 13 नवंबर को पहली बार बहरीन ने सिरिक में दो ड्रोन को रोका। मंत्रालय ने बताया कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने 13 नवंबर और उसके बाद 15 नवंबर को हुए हमलों की स्पष्ट रूप से जिम्मेदारी ली है।



आईआरजीसी का दावा है कि उसने बहरीन में अमेरिका के एक अर्ली वार्निंग रडार (शुरुआती चेतावनी देने वाले रडार) को नष्ट कर दिया । वहीं, अमेरिकी सेंटकाम ने अपने फैक्ट-चेक बयान में सिरिक पर हुए किसी हमले का कोई जिक्र नहीं किया। सेंटकाम ने आईआरजीसी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि ईरान की ओर से बहरीन की तरफ भेजे गए दो वन-वे अटैक ड्रोन (हमलावर ड्रोन) को अमेरिकी सेना ने मार गिराया। 15 नवंबर को जारी बहरीन के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, बहरीन की वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस) ने ईरान के कई हवाई हमलों को रोका और उन्हें नष्ट कर दिया।

इस बीच, ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने दावा किया कि छह ड्रोन ने बहरीन में अल रिफा हेलीकाप्टर बेस पर स्थित अमेरिकी वायु रक्षा ठिकाने के रडार पर हमला किया। बहरीन ने इस दावे को खारिज कर दिया। बहरीन ने कहा कि किसी भी बहाने से देश की संप्रभुता के उल्लंघन को सही नहीं ठहराया जा सकता। 7 नवंबर को बहरीन के निवासियों को संभावित खतरे की चेतावनी जारी किए जाने के कुछ घंटों बाद बहरीन ने घोषणा की कि ईरान ने हमले किए थे।

आईआरजीसी ने कहा कि उसने बहरीन में शेख ईसा बेस पर स्थित एक अमेरिकी रडार साइट को निशाना बनाया। आईआरजीसी ने इस हमले को 16 नवंबर की रात ईरानी हवाई क्षेत्र में अमेरिकी ड्रोन के प्रवेश के जवाब में की गई कार्रवाई बताया। हालांकि, यूएस सेंट्रल कमांड ने इसे झूठा करार दिया। 18 नवंबर को ईरान ने बहरीन और कुवैत पर हमले किए। बहरीन ने कहा कि उसने इन हमलों को रोक दिया, जबकि कुवैत की सेना ने बताया कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने दुश्मन के ड्रोन हमलों का मुकाबला किया।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने 21 नवंबर को बताया कि ईरान के हालिया हमले में एक नागरिक औद्योगिक इकाई को निशाना बनाया गया। हमले दो लोग घायल हो गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सही भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक़्क़तें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आप के घर में आज शाम के वक्त स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ जाएगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाज़ार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं। मंदिर मे नारियल का भोग अर्पित करें

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी। बंदरों को केला और चना डालें रुका हुआ पैसा आने लगेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे। आज अचानक तबीयत ख़राब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को ख़ुशी देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं यदि आप उनका सहयोग करें तो। रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 नवंबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 08:25 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 11:26 तक
योग : परिघ सायं 04:05 तक
करण : विष्टि प्रात: 10:07 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रात: 07:25 तक
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कार्तिक पूर्णिमा व्रत पुण्य , निम्बार्क-गुरुनानक जयंती , मन्वादि तिथि भद्रा प्रात: 10:07 तक, भीष्म पंचक व्रत पूर्ण, कार्तिक स्नान पूर्ण

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 202वां स्वास्थ्य शिविर संपन्न



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा प्रायोजित 202वां निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 22 नवंबर 2026 को नारायणगुड़ा स्थित केशव मेमोरियल हाई स्कूल में केशव मेमोरियल एजुकेशन सोसायटी के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर के प्रायोजक सावित्री देवी आर.ए. अग्रवाल फाउंडेशन (ट्रस्ट), हैदराबाद रहे।

मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि शिविर में रिनोवा सेंचुरी हॉस्पिटल, बंजारा हिल्स के चिकित्सकों ने रक्तचाप, शुगर, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी), द्वि-आयामी इको (2डी इको), हृदय, सामान्य, हड्डियों, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित रोगों की जांच कर सेवाएं प्रदान कीं। कैंसर जांच के लिए पैप स्मीयर एवं मैमोग्राफी परीक्षण भी किए गए। सरोजिनी देवी नेत्र अस्पताल, मेहदीपट्टनम के विशेषज्ञों ने नेत्र रोगियों की जांच की। इस दौरान मोतियाबिंद के 13 मरीज चिह्नित किए गए, जिनका विस्तृत परीक्षण के बाद अस्पताल में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा।

सौजन्या हॉस्पिटल की ओर से दंत रोगियों को चिकित्सा सेवाएं दी गईं। बाल गोविंद राय हेल्थ केयर सेंटर, अत्तापुर के सरदार गोबिंद सिंह एवं उनकी टीम ने हड्डियों के दर्द से पीड़ित मरीजों को प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर एवं मालिश के माध्यम से राहत प्रदान की। वासवी फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, लकड़ी का पुल के डॉ. पी. रवि की टीम ने फिजियोथेरेपी सेवाएं दीं। भवानी ग्रुप, इंदरबाग कोठी की ओर से निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

शिविर में दिव्यांगजनों के लिए नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के माध्यम से कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने हेतु पंजीकरण की व्यवस्था भी की गई। पंजीकृत लाभार्थियों को अंगों के माप के अनुसार निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किए जाएंगे।

शिविर का शुभारंभ भारत माता, मां सरस्वती एवं महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, सहसंयोजक उमाशंकर, जयप्रकाश अग्रवाल, अभिमन्यु अग्रवाल, अजय गुप्ता, अरुण विजयवर्गीय, संजय गुप्ता, सुरेश गोयल, जितेंद्र गोयल, श्रीमती सुरेश गोयल तथा लायंस क्लब ग्रीनलैंड ऑफ हैदराबाद के श्री मधुकर स्वामी उपस्थित रहे। केशव मेमोरियल एजुकेशनल सोसायटी के सचिव श्री सुब्रमण्यम के नेतृत्व में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग दिया। समापन पर प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल ने सभी चिकित्सकों, संस्थाओं, सहयोगियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

विहान डालमिया के जन्मदिन पर किया गया अन्नदान सेवा के साथ मनाया खुशियों का उत्सव



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में विहान डालमिया के जन्मदिन के शुभ अवसर पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जन्मदिन की खुशियां जरूरतमंदों के साथ साझा करते हुए अन्नदान किया गया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, मनोज डालमिया, उमा डालमिया एवं विहान डालमिया ने सहभागिता निभाई। इनके साथ राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहयोग किया।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि जन्मदिन जैसे खुशी के अवसर को मानव सेवा के साथ जोड़ना एक सराहनीय पहल है। जरूरतमंदों को भोजन कराकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाना ही उत्सव की वास्तविक सार्थकता है। अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है, जिसमें सेवा, करुणा और परोपकार की भावना समाहित है।

राधे-राधे ग्रुप का मानना है कि खुशियां केवल अपने परिवार तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ भी साझा की जाएं। मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है और निस्वार्थ भाव से किया गया अन्नदान सबसे सुंदर संस्कारों में से एक है। विहान के जन्मदिन पर आयोजित इस अन्नसेवा ने खुशियों को सेवा और समर्पण के साथ मनाने का प्रेरणादायी संदेश दिया।

रोटरी क्लब ने किया चार जरूरतमंद परिवारों को एलपीजी आयरन बॉक्स वितरित



निज़ामाबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निज़ामाबाद रोटरी क्लब की ओर से जिला दिवस (सामुदायिक एवं आर्थिक विकास) के अवसर पर 'घरों को सशक्त बनाना, जीवन को सुगम बनाना' अभियान के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों के चार लाभार्थियों, जिनमें दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं, को एलपीजी आयरन बॉक्स वितरित किए गए। ये लाभार्थी वर्तमान में पारंपरिक कोयले से चलने वाले आयरन बॉक्स का उपयोग कर अपनी आजीविका चला रहे हैं।

कोयले के धुएं के कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, समय की बर्बादी और अत्यधिक शारीरिक श्रम जैसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब ने उन्हें आधुनिक, सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक एलपीजी आयरन बॉक्स उपलब्ध कराए। क्लब को उम्मीद है कि इस पहल से लाभार्थियों की आय में वृद्धि होगी और उनके स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा। चारों एलपीजी आयरन बॉक्स लगभग 25 हजार रुपये या उससे अधिक की लागत से उपलब्ध कराए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटेरियन पी. पी. जी. रामकृष्ण ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य केवल सेवा करना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना भी है।

कोयले से गैस आधारित उपकरणों पर स्विच करना केवल उपकरण बदलना नहीं, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और आत्मसम्मान में सुधार की दिशा में कदम है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के छोटे-छोटे कार्यक्रम समुदाय के आर्थिक विकास की नींव रखते हैं। निज़ामाबाद रोटरी क्लब का यह प्रयास सभी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लाभार्थी इस अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन क्लब अध्यक्ष सी. ए. ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीकांत जवाहर ने की तथा सचिव डॉ. अंकित अग्रवाल ने आयोजन की जिम्मेदारी निभाई।

इस अवसर पर क्लब सदस्य बेजुगम अशोक, इंगु राजेश्वर, श्यामसुंदर अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश, धनपाल, श्रीनिवास गोविंद जवाहर, श्रीराम सोनी, जुगल सोनी, सुधीर गुप्ता तथा लाभार्थी परिवारों के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रजावाणी आवेदनों का शीघ्र निपटारा करें : कलेक्टर



पेद्दापल्ली, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने अधिकारियों को प्रजावाणी के तहत प्राप्त आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट के बैठक कक्ष में अतिरिक्त कलेक्टर बी. श्रीरामुलु के साथ आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में उन्होंने जनता से आवेदन प्राप्त किए। इस दौरान भूमि सर्वेक्षण, इंदिराम्मा आवास, पेंशन और गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट मुफ्त बिजली से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मामलों की जांच कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मदनूर में प्रभात फेरी को मिला अभूतपूर्व समर्थन



मदनूर, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक मास के उपलक्ष्य में कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल केंद्र में आयोजित प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के राज्य नेताओं एवं हैदराबाद इस्कॉन मंदिर के प्रतिनिधियों ने सोमवार को भाग लेकर भक्तों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान इस्कॉन प्रतिनिधियों के भजन, कीर्तन और नृत्यों से मदनूर की गलियां भक्तिमय हो उठीं। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर अतिथियों का स्वागत किया तथा चरण पूजा और आरती की। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से पूरा मंडल केंद्र राम नाम और हरिनाम के जयघोष से गूंज उठा।

शहरों की तर्ज पर विकसित होगा मंचेरियल : प्रेम सागर राव



मंचेरियाल, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने कहा कि मंचेरियल को बड़े शहरों की तर्ज पर विकसित करने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार को उन्होंने नगर निगम के विभिन्न डिवीजनों में विकास कार्यक्रमों में भाग लेते हुए टू-टाउन के 55, 56 और 57वें डिवीजनों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक और राज्य सरकार के फंड से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने हमालीवाड़ा में इंदिरम्मा परिवार बीमा योजना का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर मेयर मधुकर, डिप्टी मेयर रम्या, कॉर्पोरेटर शंकर, कमिश्नर अनीस एवं पूर्व डीसीसी अध्यक्ष सुरभि सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

बीड़ी श्रमिकों को आवास-पेंशन देने की मांग



मदनूर, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल विकास कार्यालय में सोमवार को भाजपा मंडल के नेतृत्व में प्रजावाणी के तहत शिकायत प्रस्तुत कर बीड़ी श्रमिकों को इंदिराम्मा आवास योजना के तहत मकान और पेंशन प्रदान करने की मांग की गई। भाजपा नेताओं ने कहा कि बीड़ी श्रमिक वर्षों से मेहनत कर आजीविका चला रहे हैं। सरकार उन्हें शीघ्र आवास और पेंशन की सुविधा उपलब्ध कराए। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष तुकाराम थेप्पावर, छोटा एकलारा सरपंच माधव, मंडल महासचिव प्रशांत, सोसायटी निदेशक एस. बालकिशन, शिवकुमार, गोपाल सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं बीड़ी श्रमिक उपस्थित थे।

एमएलसी अंजी रेड्डी ने किए अंजनेयस्वामी के दर्शन



पेद्दापल्ली, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर-पेद्दापल्ली स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी अंजी रेड्डी ने मंगलवार को कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर मंदिर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पुरोहितों ने विशेष पूजा-अर्चना कर उन्हें आशीर्वाद दिया। मंदिर प्रशासन की ओर से उन्हें भगवान का शेष वस्त्र एवं तीर्थ प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया।

इंदिरम्मा जीवन बीमा योजना पंजीकरण प्रारंभ



मदनूर, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के निर्देशानुसार सोमवार को मदनूर मंडल केंद्र सहित छोटा तड़गुर, छोटा एकलारा, अवलगांव, थड़ी हिपरगा, सोमूर और राचूर गांवों में इंदिरम्मा जीवन बीमा योजना का शुभारंभ किया गया। स्थानीय सरपंचों ने विधिवत रूप से योजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मदनूर मंडल तहसीलदार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बताया कि योजना के तहत पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का जीवन बीमा कवरेज प्रदान कर आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम में सरपंचों ने योजना की जानकारी दी तथा कुछ लाभार्थियों को बीमा दस्तावेज भी सौंपे।

विद्यार्थियों को सामाजिक अपराधों के प्रति किया जागरूक



बांसवाड़ा, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिला पुलिस अधीक्षक एम. राजेश चंद्रा के निर्देशानुसार सोमवार को बांसवाड़ा स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंस्पेक्टर तुला श्रीधर ने नाबालिगों के खिलाफ अपराध, कम उम्र में वाहन चलाने, नशे के दुष्प्रयोग, साइबर अपराध, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और महिला सुरक्षा संबंधी विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने आपातकालीन सहायता के लिए 112, साइबर अपराध के लिए 1930 तथा शी टीम के हेल्पलाइन नंबर 8712686094 की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को सतर्क रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों, प्रधानाध्यापक विजय कुमार एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

कोंडागट्टू में कार्तिक पूर्णिमा पर अर्जित सेवाएं रहेंगी स्थगित



पेद्दापल्ली, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक पूर्णिमा एवं कोंडागट्टू गिरि प्रदक्षिणा के अवसर पर 24 नवंबर को श्री अंजनेयस्वामी मंदिर, कोंडागट्टू में श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए अभिषेक, व्रत एवं कुमकुम पूजा सहित अर्जित सेवाएं अस्थायी रूप से स्थगित रहेंगी। श्रद्धालुओं के लिए 100 रुपये का विशेष दर्शन, 300 रुपये का त्वरित दर्शन तथा निःशुल्क धर्म दर्शन जारी रहेगा। वाहन पूजा वी-जंक्शन पर होगी। अंतरालय दर्शन सुबह 7 से 9 बजे तक ही उपलब्ध रहेंगे। मंदिर अधिकारियों के अनुसार 25 नवंबर से सभी सेवाएं पूर्ववत शुरू होंगी। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील की है।



कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर अलापुर स्थित श्री रेणुका माता मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं अन्नकूट प्रसाद भंडारे भाग लेते हुए बीआरएस के वरिष्ठ नेता एवं प्रभारी एच. कुमार, समाजसेवी रतन श्रीनिवास एवं श्रीमती लक्ष्मी एवं अन्य।

तप और वैराग्य

तप और वैराग्य की पतवार के सहारे ही जीवन-रूपी नाव को सहजता से किनारे ले जा सकते हैं। सत्य की प्राप्ति तपस्वी ही कर सकता है। शारीरिक और मानसिक प्रलोभनों से बचने में जिस सहिष्णुता, धैर्य और संयम की आवश्यकता पडती है, उसे जुटा लेने का नाम ही तप है। अकारण शरीर को सताने का नाम तप नहीं है। सताना तो किसी का भी बुरा है, फिर शरीर को व्यथित और संतप्त करने से क्या होगा। तपस्या वह है, जो सत्य जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने के कारण सीमित उपार्जन से निर्वाह करने की स्थिति में मितव्ययिता अपनानी पडती है। इसे प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार और शिरोधार्य करने का नाम ही तो तप- साधना है। इसी प्रकार, वैराग्य का अर्थ घर-परिवार को छोड, विचित्र वेश बनाना या भिक्षाटन करना नहीं है, वरन यह है कि जिस राग-द्वेष की धूप-छांह में सारा जगत हंसता, रोता, अशांत और उद्विग्न रहता है, उस विडंबना से बचते हुए महान लक्ष्य की ओर अनवरत गति से चलते जाना। सत्यनिष्ठ व्यक्ति इस असत्यमग्न संसार को एक विचित्र प्राणी लगता है। उसे भी अज्ञान के अंधकार में भटकती दुनिया दयनीय लगती है। दोनों का तालमेल नहीं बैठता। यह विसंगति कहीं कटुता उत्पन्न करती है, कहीं तिरस्कार उलीचती है। कहीं अवरोध उत्पन्न करती है, तो कहीं त्रास देती है। इसे उपेक्षापूर्वक देखना वैराग्य है और इस पर भी जो त्रास सहने पडे, उन्हें संतोषपूर्वक सहने का नाम तप है। वैराग्य और तप की पतवार के सहारे विवेकवान व्यक्ति अपनी साधना की नाव खेते हैं और सत्य के परम लक्ष्य तक जा पहुंचते हैं।

जो भक्त करते हैं साई बाबा का व्रत उनके दूर हो जाते हैं कष्ट

कहते हैं अगर साई बाबा का व्रत 9 गुरुवार तक लगातार किया जाए , तो साईं भक्त की हर मनोकामना पूरी हो सकती है। फिर चाहे वह मनोकामना नौकरी, शादी, स्थानांतरण की हो या फिर किसी भी तरह की। दुख से भरे मन को साईं सहारा देते हैं। गुरुवार का दिन साईं का रहता है और इस दिन जो साईं भक्त व्रत और पूजा करता है। साईं की उस पर विशेष कृपा बरसती है। साईं बाबा का व्रत कोई भी कर सकता है। यहां तक की बच्चें भी साईं के व्रत को कर सकते हैं। साईं अपने भक्तों में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं, अमीर हो या गरीब सभी बाबा के दर पर आते हैं और झोली भरकर खुशियां ले जाते हैं। साईं बाबा का व्रत एक बार शुरु करने के बाद 9 गुरुवार तक किया जाता है। इस व्रत को आप बीच में नहीं छोड सकते हैं। मुश्किल कैसी भी हो 9 व्रत पूरे तक इसे नहीं छोडा जा सकता है।

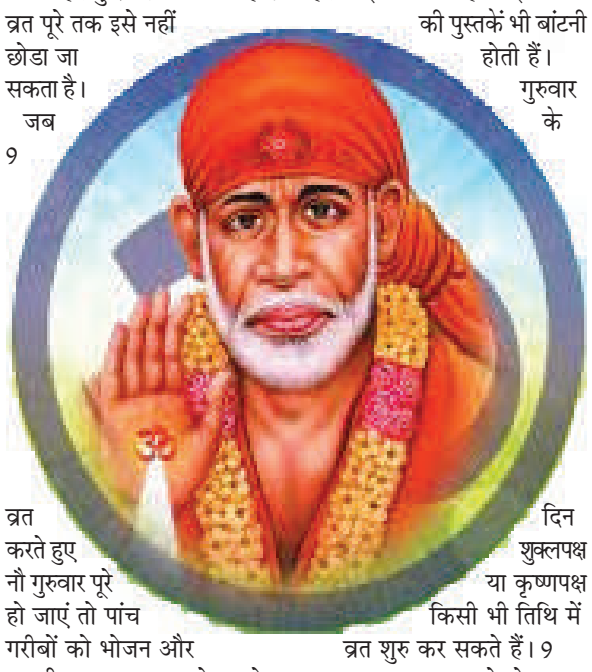

जब 9 व्रत करते हुए नौ गुरुवार पूरे हो जाएं तो पांच गरीबों को भोजन और अपनी इच्छानुसार दान देना होता है। इसके साथ ही साईं बाबा की पुस्तकें भी बांटनी होती हैं। गुरुवार के दिन शुक्लपक्ष या कृष्णपक्ष किसी भी तिथि में व्रत शुरु कर सकते हैं। 9 गुरुवार तक व्रत करने से मकान मिलना, नौकरी मिलना या विदेश यात्रा पर जाना संभव हो पाता है। मान्यता है कि साईं को कुमकुम लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मौली (कलावा या रक्षा सूत्र) बांधने से इंसान मर्यादा में रहता है।

दूध अर्पित करने से वंश की वृद्धि होती है। दही समर्पित करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और शहद अर्पित करने से जीवन में मधुरता आती है। साईं बाबा की पूजा करते समय हमेशा दाहिनी और घी का दीपक और बायीं और तेल का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए।

घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर में यश और खुशी की आती है और तेल का दीपक प्रज्वलित करने से किसी भी प्रकार की गृहदशा, मंगल दोष शनिदोष दूर होता है।

इस तैरते हुए मंदिर में आने से सुख सृमद्धि बढती है, यही जटायु ने किया था रावण से युद्ध



आँध्रप्रदेश के अनंतपुर में स्थित एक छोटा सा गाँव है, मान्यता है की यह रामायण के समय की वो ही जगह है जहाँ रावण से युद्ध के पश्चात घायल हो के गिद्धराज-जटायू गिरे थे। साथ ही यंहा ये मंदिर सोलहवीं सदी में बना है जो अपने जबरदस्त हस्तकला के लिए जाना जाता है। मंदिर काफी बडे क्षेत्र में फैला है और इसमे नारायण महादेव और वीरभद्रा के तीन अलग अलग मंदिर भी आकर्षण का केंद्र है।

मंदिर को झूलते हुए मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, इसमे सत्तर खम्भे लगे है जिसमे से एक हवा में तैर रहा है। इस एक झूलते हुए खम्भे के कारण इसे हैंगिंग टेम्पल कहा जाता है। ये खम्भा पहले हवा में नहीं तैर रहा था पर एक ब्रितानी कारीगर ने जब ये जानना चाहा के ये खम्बे टीके किस पर है और नीचे से सफाई की तो ये खम्भा भी झूल गया, इसका मतलब ये भी है की बाकि के खंभे भी हवा में है।

मंदिर की मान्यता यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की मान्यता है की इसके नीचे से कपडा निकलने से सुख सृमद्धि बढती है। इस मंदिर का निर्माण कि पौराणिक मान्यता यह है की लेपाक्षी परिसर में स्थित विरभद्र मंदिर का निर्माण ऋषि अगस्तय ने करवाया था। जब राम सीता को तलाशते हुए यहां राम लखन पहुंचे तो उन्होंने उस घायल पक्षी को देख कर कहा 'ले पाक्षी' यानी की उठो पक्षी जो कि एक तेलगु शब्द है। मंदिर से 200 मीटर दूर मेन रोड पर एक ही पत्थर से बनी विशाल नंदी प्रतिमा है जो की 27 फीट लम्बी, 4.5 मीटर ऊंची है। यह एक ही पत्थर से बनी नंदी की सबसे विशाल प्रतिमा है जबकि एक ही पत्थर से बनी दूसरी सबसे बडी प्रतिमा है (गोमतेश्वर सबसे बडी)। एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बनी विशाल नागलिंग प्रतिमा भी स्थापित है जो की संभवतया सबसे विशाल नागलिंग प्रतिमा हैं। इस काले ग्रेनाइट से बनी प्रतिमा में एक शिवलिंग के ऊपर सात फन वाला नाग फन फैलाय बैठा है। मंदिर में स्थित है राम पदचिन्ह जबकि कइयों का मानना है की यह माता सीता के पैरों के निशान है।

जानिये ऐसा क्या हुआ की कृष्ण ने कर्ण की प्रशंसा की



एक बार कृष्ण और अर्जुन एक गांव की तरफजा रहे थे तभी अर्जुन ने कृष्ण से कहा कि क्यों कर्ण को दानवीर कहा जाता है और उन्हें नहीं। यह सुन कर कृष्ण ने दो पर्वत को सोने में बदल दिया, और अर्जुन से कहा कि वह इसका सारा सोना गाँव वालो के बीच में बाट दे। तब अर्जुन गाँव गए और सारे लोगों से कहा कि वे पर्वत के पास इक्कट्ठा हो जाएं क्योंकि वे सोना बाटने जा रहें हैं।

पांचों पांडवों से ज्यादा बलवान और बुद्धिमान कर्ण से सीखें ये 7 चीजें यह सुन कर गाँव वालो ने अर्जुन की जय जय कार करनी शूरू कर दी और अर्जुन छाती चौडी कर पर्वत की तरफचल दिए। दो दिन और दो रातों तक अर्जुन ने सोने के पर्वत खोदा और खोद कर सोना गाँव वालो में बाटा। इतने से पर्वत पर कोई असर नहीं हुआ। लेकिन बहुत सारे गाँव वाले वापस आके कतार में खडे होकर इंतजार करने लगे। अर्जुन अब थक चुके थे लेकिन अपने अहंकार को नहीं छोड रहे थे। उन्होंने कृष्ण से कहा कि अब वो थोडा आराम करना चाहते हैं इसके बिना वो खुदाई नहीं कर पाएंगे। तब कृष्ण ने कर्ण को बुलाया और कहा कि सोने के पर्वत को इन गाँव वालों के बीच में बाट दें। गीता के इन उपदेशों को मानिये, जीवन में कभी नहीं होगी आपकी हार कर्ण ने सारे गाँव वालों को बुलाया और कहा कि ये दोनों सोने के पर्वत उनके हैं और उनसे आ कर सोना ले लो। अर्जुन भौंचक्के हो गये और सोचने लगे कि यह ख्याल उनके दिमाग में क्यों नहीं आया।

तभी कृष्ण मुस्कुराये और अर्जुन से बोले कि तम्हे सोने से मोह हो गया था और तुम गाँव वालो को उतना ही सोना दे रहे थे जितना तुम्हें लगता था कि उन्हें जरुरत है। इसलिए सोने को दान में कितना देना है इसका आकार तुम तय कर रहे थे।

ये हैं महाभारत की 10 प्रेम कहानियाँ जो कोई नहीं जानता लेकिन कर्ण ने यह सब नहीं सोचा और दान देने के बाद कर्ण वह से दूर हट गया। वह नहीं चाहता कि कोई उसकी प्रशंसा करे और ना उसे इस बात से कोई फर्क पडता है कि कोई उसके पीछे उसके बारे में क्या बोलता है। यह एक निशानी है उस आदमी की जो आत्मज्ञान हासिल कर चुका है। दान देने के बदले में धन्यवाद या बधाई की उम्मीद करना उपहार नहीं सौदा कहलाता है। इसलिए दान करो बिना किसी उम्मीद के ।

यमुना नदी, यमराज की बहन है

हिंदू पौराणिक ग्रंथों के अनुसार यमुना नदी, यमराज की बहन है। जिसका नाम यमी भी है। यमराज और यमी के पिता सूर्य हैं। यमुना नदी का जल पहले साफ, कुछ नीला, कुछ सांवला था, इसलिए इन्हें 'काली गंगा और 'असित' भी कहते हैं। असित एक ऋषि थे। सबसे पहले यमुना नदी को इन्होंने ही खोजा था। तभी से यमुना का एक नाम 'असित' संबोधित किया जाने लगा। यमुना जिसे यमुनोत्री भी कहा जाता है। यह नदी उत्तरकाशी से 30 किमी उत्तर, गढवाल से निकली है। और अंत में इलाहाबाद में गंगा नदी से मिल जाती है। जहां यह त्रिवेणी(गंगा, सरस्वती, जमुना या यमुना) कहलाती है। यमुना की सहायक नदियां चम्बल, सेंगर, छोटी सिन्ध, बेतवा और केन हैं। यमुना के तटवर्ती नगरों में दिल्ली और आगरा के अतिरिक्त इटावा, काल्पी, हमीरपुर और प्रयाग मुख्य है। जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण को ब्रज संस्कृति का जनक कहा जाता है, ठीक उसी तरह यमुना को जननी का स्थान दिया गया है।

किस करण से कुंभकर्ण सोता था 6 महीनों तक, जानें रहस्य



इंद्र-इंद्र देवताओं के देवता थे लेकिन वे कुंभकर्ण से ईर्षा करते थे क्योंकि वह बहुत बुद्धिमान और बहादुर था। इसके लिए इंद्र कुंभकर्ण से बदला लेने के लिए सही समय का इंजार कर रहे थे।

यज्ञ-तीनों भाई रावण, कुंभकर्ण और विभीषण ने ब्रहमा को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ और यागा किया।

वरदान या अभिशाप-यज्ञ से प्रसन्न होके तीनो भाइयों को वरदान देने के लिए ब्रहमा प्रकट हुए। और उन्होंने ने कुंभकर्ण से पूछा की उसे क्या वरदान चाहिए। तब कुंभकर्ण ने कहा कि उसे इंद्रासन चाहिए लेकिन उसके मुँह से निद्रासन निकला।

व्याकुल कुं भकर्ण-जब कुंभकर्ण ने इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहा तब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ की उसने क्या कहा दिया। जब तक उसे कुछ समझ आता ब्रहमा तथाअस्तु बोल चुके थे। हालांकि की कुंभकर्ण ने कहा कि उसकी इच्छा पूरा ना करें लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इंद्र की चाल-जैसे की हम सब जानते थे कि इंद्र कुंभकर्ण ईर्षा करते थे। जिसके चलते इंद्र ने देवी सरस्वती से जाके अनुरोध किया कि कुंभकर्ण इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहे।

कुंभकर्ण की नींद-तभी से कुंभकर्ण 6 महीने की नींद में चले जाने के बाद फिर से 6 महीने के बाद तग जगता रहा और उसे जो कुछ भी प्राप्त हुआ वह उससे अपनी भूख मिटाता रहा।

केनोपनिषद: कुछ इस तरह पाएं मन की इच्छाओं से आत्मज्ञान

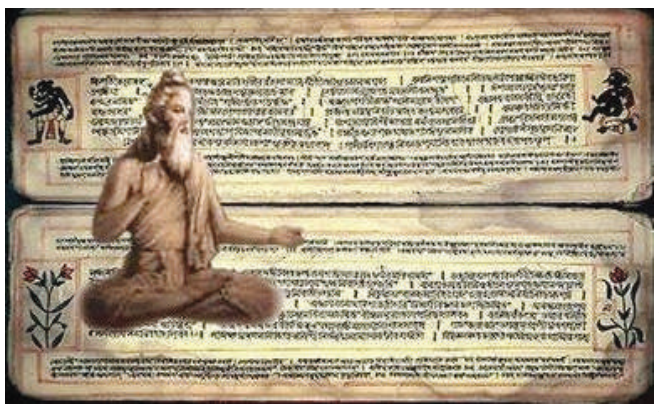

केनोपनिषद को चार खंडो में बांटा गया है। पहले खंड में मन की इच्छाओं, दूसरे खंड में ईश्वर के निराकार रूप, तीसरे खंड में परब्रहमा की सत्त के बारे में और चौथे खंड में विद्या की देवी सरस्वती द्वारा परब्रहम की विजय के बारे में बताया है। जिंदगी में आप ईश्वर के अध्यात्मरूपी प्रकाश से प्रकाशवान हो सकते हैं उसके बारे में बडी ही सरलता सहजता से बताया गया है।

शांतिपाठ

ऊँ अप्यायंतु ममांगानि
वाक्प्राणचक्षुष: श्रोतमथो
बलमिन्द्रियाणि च सर्वाणि सर्वं
ब्रहमोनिषदं माहं ब्रहमा निराकुर्यां
मा मा ब्रहम निराकरोद
निराकरणमस्त्वनिराकरणं मे
अपिस्तुतदात्मानि निरते य
उपनिषत्सु धर्मास्ते मयि संतु।

यानि मेरे सभी अंग पुष्ट हों और मेरी वाणी, आत्मा, सुनने की शक्ति के साथ पूरी इंद्रियां पुष्ट हों। सभी विद्या ब्रहमा ने उपनिषदों के रूप में दी है। मैं ब्रहमा का निराकरण न करूं, ब्रह्मा मेरा निराकरण न करे। इस प्रकार हमारा परस्पर अनिराकरण हो। उपनिषदों में जो धर्म है, वह आत्मज्ञान में लगे हुए मुझ में निहित हो, वह मेरे अंदर समा जाए , उपनिषदों में जो धर्म है उसका निराकार आत्मज्ञान मुझ में समा जाए और मेरे कई प्रकार के तापों को शांति मिले।

प्रथम खंड

1.जिसे कोई नेत्र नहीं देखता, किंतु जिसकी सहायता से नेत्र अपने विषय(लक्ष्य) को देखते हैं, उसी को ब्रहमा(ईश्वर) समझना चाहिए। जिसे कोई कान नहीं सुनता, परंतु जिसकी सहायता से कान सुनने का कार्य करते हैं, उसी को ब्रहमा समझो।

2.यह मन किसकी इच्छा से प्रेरित होकर अपने विषयों में गिरता है। यह प्राण किसके द्वारा प्रयुक्त होने पर चलता है। यह वाणी किसके द्वारा इच्छा किए जाने पर बोलती है। कौन देव या देवी नेत्रों और कानों को प्रेरित करते हैं। यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनके जावाब मन की इच्छाओं में छिपे हैं। जिन्हें एक सात्विक मनुष्य के अलावा कोई दूसरा नहीं खोज सकता है।

3.जो कानों का भी कान, मन का भी मन और वाणी की भी वाणी है, वहीं प्राणों का भी प्राण और आंखों की भी आंखें हैं। इस विचार को जानकरा धैर्यवान पुरुष मरने के बाद मुक्त होकर अमर हो जाते हैं।

4.जिसके विषय में मन, मनन नहीं कर सकता, पर जिसकी सत्ता से मन, मनन करने का सामर्थ्य रखता है, ऐसा कहा जाता है कि उसी को ब्रहमा समझना चाहिए। जिसे विशेष नामयुक्त ईश्वर की लोग उपासना करते हैं, वह ब्रहमा नहीं है।

द्वितीय खंड

1.यदि तुम यह समझते हो कि तुम ईश्वर को अच्छी तरह जानते हो, तो निश्चित ही तुम ब्रहम का अल्प रूप ही जानते हो। इसका जो रूप तुम जानते हो और जो रूप देवताओं में जाना जाता है, वह भी कम है। अत: तुम्हारे लिए ईश्वर को विचार करने योग्य है।

2.सभी इंद्रियां ब्रह्मा की सत्ता से ही कार्य करते हैं इसलिए प्रत्येक इंद्रिय के विषय से उसका ही ज्ञान होता है, इसी से वह जाना जाता है, यही उसका ज्ञान है। इसी ब्रहमज्ञान से अमरता प्राप्त होती है।

3.यदि इसी जन्म में ब्रहम को जान लिया जाए तो, तब तो ठीक है। यदि ऐसा न हो पाए तो यह प्राणी के सर्वाधिक हानि की बात है। कहते है ज्ञानी लोग केवल प्राणी में ब्रहम की सत्ता को देखकर, मृत्यु के पश्चात अमर हो जाते हैं।

तृतीय खंड

1.कहते हैं ब्रहम जब यक्ष रूप में आए तो देवता नहीं पहचान सके कि ये कौन हैं। तब देवराज इंद्र बोले की हे अग्निदेव पता लगाओ को यह यक्ष कौन है। अग्नि ने जब यज्ञ से पूछा कि आप कौन हैं तो यक्ष ने कहा हे अग्नि देव आपके नाम के अनुरूप आप में कौन सी शक्ति है। अग्निदेव बोले कि मैं संपूर्ण पृथ्वी को जला सकता हूं तब यक्ष ने एक तिनका दिया और कहां इसे जलाकर दिखाओ तब अग्नि देव उस तिनके को जलाने में असफल रहे। इसके बाद देवराज इंद्र ने पवन देव को भेजा उन्होंने भी यक्ष से वही प्रश्न किया तब यक्ष बोले कि इस तिनके को उडाओ पवनदेव भी ऐसा करने में जब असफल हुए और जब यक्ष के सामने इंद्र गए तो तब यक्ष अंतर्धान(गायब) हो गए। तब इंद्र ने हिमालय की पुत्री उमा(ब्रहम विद्या) से पूछा कि यह यक्ष कौन है।

उस ब्रहम विद्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह ब्रहम हैं, इसकी विजय से ही तुम महिमामय हुए हो। ऐसा कहते हैं कि तभी इंद्र ने जाना कि वह ब्रहमा थे। इंद्र ने सबसे पहले समीप ब्रहमा का स्पर्श किया इसलिए वह देवों में प्रमुख माने गए और उन्हें स्वर्ग का राजा नियुक्त किया गया।

चतुर्थ खंड

1.मन को गतिमान कहा जाता है। यह ब्रहम इस प्रकार मन से ही बार-बार ब्रहम का स्मरण होता है, तथा निरंतर संकल्प किया जाता है।

2.उपनिषद तप, कर्म, वेद और संपूर्ण वेदांग(व्याकरण, ज्योतिष, छंद आदि) यह सब प्रतिष्ठाहैं तथा सत्य उसका घर है।

3.जो निश्चयपूर्वक उपनिषद को इस प्रकार जानता है। वह अपने पापों को नष्ट करके अनंत और महान स्वर्गलोक में चला जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम।।
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नम:।



भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था।

यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

ऐसे करें व्रत

ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए। भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए , तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दु:खों से मुक्त हो जाता है।

असफलता के बाद भी

इस तरह बनाए रखें अपना उत्साह

वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को असफलता में भी मोटिवेटेड बनाए रखती है? अपनी असफलता के कड़वे अनुभव से उबरकर फिर से उसी दिशा में प्रयासरत रहने के लिए यह जानना जरूरी है।

दुनिया के सारे सफलतम लोगों ने अपनी जिंदगी में कभी-न-कभी असफलता का कड़वा घूंट जरूर पिया है। जब कभी हम उनकी सफलता की कहानियां सुनते हैं, उनकी शुरुआती असफलता के किस्से भी सुनने को मिलते हैं। यह अलग बात है कि हम सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि असफलता को देखना भी नहीं चाहते हैं। हम वॉल्ट डिज्नी की सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि यह भूल जाते हैं कि एक अखबार के एडिटर ने उन्हें कल्पनाशीलता का अभाव बताकर नौकरी से निकाल दिया था। जब कोबे ब्रायंट अपने पहले बॉस्केटबॉल कैंप में गए तो वहां उन्होंने एक भी पॉइंट नहीं हासिल किया था। हममें से कितने लोगों ने टर्फ-ओ-डेटा का नाम सुना है?

माइक्रोसॉफ्ट से पहले यही बिल गेट्स का वेंचर था। यह काम नहीं कर पाया और माइक्रोसॉफ्ट सफल हो गया। दुनिया में इस तरह के किस्सों की भरमार है। विंसेंट वॉन गॉग के जीवनकाल में उनकी महज एक पेंटिंग बिकी थी। लेकिन उन्होंने जीवन भर पेंटिंग बनाई! मूल बात यह है कि वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को

नियंत्रण हाथ में लें

जब आपके आसपास विपरीत चीजें होने लगती है तो ऐसा लगना स्वाभाविक है कि चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हैं। और सच यह है कि ज्यादातर दुर्भाग्यपूर्ण मामलों में हकीकत में स्थिति आपके नियंत्रण में नहीं ही होती है। जैसे परिवार में किसी का बीमार होना या फिर आपकी कंपनी के कॉस्टकटिंग अभियान में आपका भी नाम होना।

(अ) कई बार लगता है कि आप स्थितियों पर स्वयं नियंत्रण किए हुए हैं और आप उन्हें प्रभावित कर सकते हैं। जब आपमें यह विचार आने लगे तो आपमें आत्मविश्वास आता है और आप तनाव व दबाव को अपने आप कम महसूस करते हैं।

(ब) जब स्थितियां ऐसी हों कि आपके करने के लिए कुछ न हो व आपको यह महसूस होने लगे कि परिस्थितियां आपके जीवन को निर्धारित करने लगी हैं, तब तनाव ज्यादा महसूस होता है निराशा हावी होने लगती है।

कई सारे अध्ययन यह बताते हैं कि जब आप कोई निर्णय लेते हैं तो आपमें आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और आप कुछ करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद को पहचानने और अपना आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए अपने जीवन से जु? छोटे-छोटे निर्णय लेते रहें। इससे आपमें प्रेरणा उत्पन्न होगी। जैसे यदि आपका वजन ज्यादा है तो उसे कम करने के बारे में निर्णय लें। सीधी-सी बात यह है कि आप कोई निर्णय लें ताकि उसकी दिशा में आप काम करना शुरू करें। हालांकि इसका आपकी निराशा से संबंध हो या न हो... यह आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव जरूर लाएगा।

खुद को भी कारण बताएं

मानवीय स्वभाव ऐसा है कि वह हर चीज के पीछे कारण ढूंढता है। यदि आप किसी वजह से असफल हुए हैं तो खुद को कोई कारण जरूर दें। जैसे यदि किसी परीक्षा में हम असफल हुए हैं तो हमें लगता है कि हमारी ही तैयारी में कुछ कमी रह गई होगी। थोड़ा ज्यादा वक्त पड़ने में देते या ज्यादा ध्यान देते... इससे आपकी निराशा और

गहरी हो जाती है। इसके बजाए ऐसा करें कि खुद को यह बताएं कि हो सकता है थोड़ी मेहनत में कसर रह गई, लेकिन इस परीक्षा से एक अनुभव मिला। पता चला कि इसमें कैसे और क्या पड़ा जाना था, कैसी तैयारी की जानी थी। इससे आपकी निराशा कुछ कम होगी।

हर चीज को व्यक्तिगत तौर पर न लें

जब कभी जीवन में मुश्किल वक्त आता है, तब उसके लिए हम खुद को ही जिम्मेदार मानते हैं। गलत निर्णय ले लिया, फिर क्षमता से ज्यादा बड़ा दांव खेल लिया। ऐसा करके हम अक्सर अपना ही मनोबल कमजोर करते हैं। इसमें होता यह है कि मुश्किलें जितनी बड़ी होती नहीं है, उससे ज्यादा ब?ी नजर आने लगती हैं। हमेशा मोटिवेटेड रहने के लिए जरूरी है कि चीजों के प्रति तटस्थ दृष्टिकोण अपनाया जाए। हर चीज के लिए खुद को दोष देना बंद करें। देखने की कोशिश करें कि आपकी कमी के अतिरिक्त भी और क्या चीजें है जिनकी वजह से आप असफल हुए। यह आपको एक तरह से राहत देगा। साथ ही यह भी होगा कि आप अपनी कमी इत्मीनान से दुरुस्त कर पाएंगे।

अगर आपको भी अपनी नौकरी से परेशानी, तो अपनाएं ये टिप्स

जल्द मिलेगी नई नौकरी

नौकरी करने वाले लोगों में आपने शायद ही कोई ऐसा देखा होगा, जिसे अपनी जॉब से कोई प्रॉब्लम न हो. ज्यादातर लोगों को नौकरी से जुड़ी कोई न कोई समस्या जरूर होती है और इसी कारण बहुत से लोग जॉब स्विच करने के बारे में सोचते रहते हैं. अगर आपको भी अपनी जॉब से प्रॉब्लम है और नई नौकरी पाना चाहते हैं तो इसके लिए फॉलो करें ये आसान टिप्स...



इवेंट्स करें अटेंड

नई नौकरी पाने के लिए आपको अलग-अलग संस्थानों या फिर चैरिटी द्वारा आयोजित किए गए इवेंट्स में शामिल होना चाहिए. आपको इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए और हर मीटिंग में अपनी फील्ड से जुड़े कम से कम एक व्यक्ति से जरूर मिलना चाहिए. क्या पता कब कौन जॉब दिलाने में आपकी मदद कर दे.

नेटवर्किंग

दूसरी नौकरी पाने में जो चीज सबसे ज्यादा आपके काम आती है, वो है नेवर्किंग. फील्ड में रह कर बनाए गए कॉन्टैक्ट्स जॉब चेंज करने में काफी मदद करते हैं. किस कंपनी में जॉब वैकेंसी और किसमें नहीं ये आपके कॉन्टैक्ट्स ही आपको बताते हैं. इसलिए भले ही आप ऊंचे से ऊंचे मुकाम तक क्यों न पहुंच जाएं, कभी भी लोगों से अपना संपर्क न तोड़ें.

लिंक्डइन का उठाएं फायदा

लिंक्डइन पर अकाउंट बनाने का फायदा आपको आपकी मनपसंदीदा जॉब भी दिला सकता है. लिंक्डइन सही लोगों से जुड़ने का एक पावरफुल माध्यम है. यहां पर आप अपने टारगेट मार्केट (जिसमें आप नौकरी ढूंढ रहे हों) को सर्च कर सकते हैं. लिंक्डइन के हर एक सेक्शन में अगर आप सही जानकारी फिल करते हैं और अपनी सर्च में सही कीवर्ड्स का इस्तेमाल करते हैं तो इससे दूसरों को आपके बारे में बेहतर पता चल पाता है.

जॉब साइट्स पर बनाए रखें नजर

नई जॉब तलाश रहे लोगों को नौकरी.कॉम या फिर शाइन.कॉम जैसे जॉब पोर्टल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आपको समय-समय पर अपना सीवी भी अपडेट करते रहना चाहिए. इसके अलावा जॉब से जुड़े ई-मेल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आप नई नौकरियों के अपडेट्स के लिए अन्य जॉब वेबसाइट्स या फिर अखबार का भी सहारा ले सकते हैं.

आकर्षक पैंकेजिंग में भी है करियर

जो दिखता है, वह बिकता है। यह सिर्फ एक पंचलाइन नहीं, आज की बिजनेस कंपनियों की सफलता का मंत्र भी है। दवाओं से लेकर खाने-पीने के सामान और सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए पैकेजिंग एक ऐसा मार्केटिंग टूल है, जो साइलेंट सेल्सपर्सन का काम करता है। याद कीजिए, हम खुद कितनी बार स्टोर से कई चीजें सिर्फ इसलिए खरीद लेते हैं, क्योंकि उनकी पैकिंग दिखने में बहुत आकर्षक लगती है। कई बार तो हम-आप किसी उत्पाद के डिब्बे या बॉटल को सहेजकर भी रख लेते हैं, उसे फेंकना नहीं चाहते। दरअसल, यही पैकेजिंग का जादू है, जो न केवल ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर खींचे, बल्कि उन्हें खरीदने के लिए मजबूर भी कर दे। मॉल और ऑनलाइन मार्केटिंग के इस दौर में अपने उत्पादों को नए-नए रूप-रंग में पेश करने पर सभी कंपनियों का जोर है। इस कारण इस फील्ड में तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों तरह की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए करियर की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

बढ़ रही है इंडस्ट्री

फिक्की-टीएसएमजी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्तमान में विश्व



के टॉप-10 पैकेजिंग उपयोगकर्ता देशों में शुमार हो चुका है। ऐसा इसलिए कि रिटेल और ई-कॉमर्स में आए बूम के कारण पैकेजिंग की मांग यहां कई गुना बढ़ गई है। हालांकि भारत में प्रति व्यक्ति पैकेजिंग की खपत अभी सिर्फ 4.3 किलो है, जबकि जर्मनी और चीन में यह क्रमश: 42 किलो और 19 किलो है।

वैसे तो पैकेजिंग का इस्तेमाल आजकल हर चीज में हो रहा है लेकिन दवा, खाने-पीने के सामान, पेय पदार्थ, सौंदर्य उत्पाद, आईटी व इलेक्ट्रॉनिक उपरकरण बनाने वाली कंपनियों को पैकेजिंग की जरूरत कहीं ज्यादा होती है, जहां हर समय पैकेजिंग के स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग रहती है। ऐसे प्रोफेशनल्स किसी भी सेवा प्रदाता कंपनी में मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, पैकेजिंग स्पेशलिस्ट, मटेरियल मैनेजर, डिलिवरी एरिया मैनेजर तथा क्वॉलिटी एनालिस्ट जैसे पदों पर अपनी सेवाएं देते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

पैकेजिंग टेक्नोलॉजी या डिजाइन में संबंधित कोर्स अभी देश के कुछेक संस्थानों में ही संचालित हो रहे हैं, जहां से पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम किया जा सकता है। यह कोर्स साइंस, इंजीनियरिंग या अन्य पृष्ठभूमि के युवा 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। आईआईपी के संस्थानों में विद्यार्थियों को प्लेसमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

सैलरी कितनी?

पैकेजिंग उद्योग कमाई के मामले में भी अच्छा माना जाता है। इंडियन पैकेजिंग इंस्टीट्यूट जैसे संस्थान से दो वर्षीय कोर्स करने के बाद ऐसे प्रोफेशनल्स को शुरुआत में ही 25 से 30 हजार रुपए महीना तक सैलरी आसानी से मिल जाती है।

प्रमुख संस्थान

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग (आईआईपी), दिल्ली/ मुंबई

गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार

पूसा पॉलिटेक्निक, नई दिल्ली

उत्पाद को खूबसूरत बनाने का दौर आईटी की तरह ही अब पैकेजिंग में भी बूम का दौर है। फूड, गारमेंट या ऑटोमोबाइल जैसे सभी तरह के उत्पादों को पैकेजिंग चाहिए। फिर चाहे यह पेपर पैकेजिंग हो या फिर प्लास्टिक, वुड या मेटल पैकेजिंग। रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों का बाजार लगातार ब? रहा है। इसे भी लॉजिस्टिक्स या ट्रांसपोर्टेशन के लिए अलग तरह की पैकिंग की जरूरत होती है। स्कोप यहां बहुत है। कोर्स करने के बाद आप क्वॉलिटी कंट्रोल, परचेज/ मार्केटिंग, आर एंड डी, प्रोडक्शन या पैकेज डिजाइनिंग जैसी किसी भी विंग में जॉब पा सकते हैं। युवाओं को सैलरी भी शुरुआत में ही एमबीए स्टूडेंट से कहीं ज्यादा मिलती है। मगर इस फील्ड में उन्हीं को आना चाहिए, जो क्रिएटिव हों।
- डॉ तनवीर आलम,
(नेशनल पैकेजिंग इंस्टीट्यूट, दिल्ली)

आने वाले वर्षों में खत्म हो जाएंगी

ये 10 नौकरियां

दिनोदिन एडवांस होती टेक्नोलॉजी ने जिंदगी को तो आसान बनाया है पर कुछ नौकरियों को भी इसने खत्म किया है. याद कीजिए कि आपने आखिरी बार कब किसी पीसीओ से कॉल किया था? या किसी रिसेप्शनिस्ट से दूर बैठे अपने रिश्तेदार को कॉल मिलाने के लिए कहा था? और कब किसी लिफ्टमैन को अपना फ्लोर बताया था. कुल मिलाकर इस माहौल में मैनपावर की जगह मशीनों ने ले ली है. हम भी पूरी तरह से टेक्नोलॉजी पर निर्भर हो गए हैं. अब जितनी तेजी के साथ टेक्नोलॉजी एडवांस हो रही है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले करीब दस सालों में कुछ और नौकरियां खत्म होने जा रही हैं. यहां हम ऐसी ही कुछ नौकरियों पर नजर डालते हैं जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है.



लाइब्रेरियन

अब लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट में किताब पढ़ने लगे हैं. ई-बुक्स व ऑडियो बुक्स आसानी से उपलब्ध है. धीरे-धीरे इस रुझान को अपनाने वालों की संख्या में तेजी के साथ वृद्धि हो रही है. रोबोट्स किताब ढूंढने में आपकी मदद करेंगे. ऐसे में अब लाइब्रेरी में मैनपावर की पहले जितनी अहमियत नहीं रह गई है.

बीपीओ कर्मचारी

इस बात की भी चर्चा है कि बीपीओ/कॉल सेंटर इंडस्ट्री में ऑटोमेशन की वजह से बीपीओ कर्मियों की जरूरत कम होती जाएगी. हर कंपनी धीरे-धीरे चैटबॉट्स को अपनाएगी.

फायटर पायलट

निकट भविष्य में मानवरहित फायटर जेट्स का ज्यादा महत्व होगा.

पोस्टमैन

ईमेल, मैसेज, व्हाट्सएप और स्काइप जैसे तमाम एप ने एक जगह से दूसरी जगह संदेश पहुंचाना बेहद आसान बना दिया है. ऐसे में पोस्टमैन और कुरियर कंपनियों का काम होता जा रहा है.

पार्किंग लॉट अटेंडेंट

ऑटोमेशन की वजह से पार्किंग लॉट अटेंडेंट की नौकरी भी खत्म हो जाएगी. पार्किंग प्लाजा को ऑटोमेटिड बनाया जाएगा.

न्यूजपेपर ब्वॉयज

लोग अपन खबरें पढ़ने के लिए अपना मोबाइल उठाने लगे हैं. लोग अपने स्मार्टफोनों पर पहले ही सभी खबरें पढ़ लेते हैं. वीडियो व तस्वीरें देख लेते हैं. ऐसे में अगर न्यूजपेपर प्रचलन से खत्म हो रहे हैं तो घर पर न्यूजपेपर डिलीवर करने वाले ब्वॉय की नौकरी ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाली.

बस कंडक्टर

अब धीरे-धीरे बस में मशीन लगाने की तैयारी है. जो कि कंडक्टर का काम करेगी. इस बस में कंडक्टर की जरूरत नहीं होगी. लोग मशीन से टिकट प्राप्त कर लेंगे.

टोल प्लाजा ऑपरेटर

धीरे-धीरे यहां भी ऑटोमेशन आ रहा है. बहुत से लोग डिजिटल वॉलेट से पेमेंट कर देते हैं.

प्रिंट जर्नलिस्ट

ऑनलाइन खबरें पढ़ी जाने से अखबारों का काम मंदा होता चला जाएगा. ऐसे में प्रिंट मीडिया के पत्रकार की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है.

सेक्रेटरी

अब आपका स्मार्टफोन ही आपका पर्सनल सेक्रेटरी बनता जा रहा है. एक वक्त था जब बॉस को उसका काम याद दिलाने के लिए सेक्रेटरी होता या होती थी. लेकिन अब उसकी जगह तेजतर्रार स्मार्टफोनों ने ले ली है.

ड्रीम करियर के लिए बढ़ाएं ये 6 कदम

अपने लिए सही करियर का चुनाव करना एक ऐसा निर्णय है, जो आपका जीवन बदल सकता है। इसलिए यह निर्णय लेने के लिए खुद को पर्याप्त समय दें और उचित चिंतन-मनन करने के बाद ही कोई फैसला करें। इस फैसले से पहले ये छह कदम जरूर उठाएं।

1. अपनी कार्यशैली का आंकलन : आप उसी जॉब में सहज रह सकेंगे, जो आपकी कार्यशैली के अनुकूल हो। खुद से यह सवाल पूछें कि क्या आप अपने बल पर ही अपने लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं या फिर आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कार्यस्थल का अनुशासित माहौल चाहिए? क्या आपको घूमना पसंद है या फिर एक जगह बैठकर काम करना पसंद करते हैं? लोगों से मिलना-जुलना पसंद है या फिर अकेले रहना?

2. अपनी संभावनाओं को तौलें : कोई निर्णय लेने से पहले यह देखें कि आपकी क्या क्षमताएं हैं और आपकी पसंद के क्षेत्र में सफल होने के लिए किन क्षमताओं की जरूरत है। उस क्षेत्र के बारे में थोड़ी रिसर्च करके देखें कि उसमें कौन-सी स्किल्स और योग्यताएं चाहिए होती हैं और क्या आपमें वे हैं?

3. अपनी रुचि व प्रतिभा जानें : कभी-कभी आपकी हॉबी भी आपका करियर बन सकती है। यदि आपकी कोई हॉबी है या किसी क्षेत्र में आपके पास विशेष प्रतिभा है, तो उसे अपना प्रोफेशन बनाने के बारे में गंभीरता से सोचें। जो काम आप सहजता से कर लेते हैं, उसे ही अपना करियर बनाने पर विचार करें।

4. जैसा सपना, वैसा करियर : आपके आर्थिक लक्ष्य क्या हैं? यह भी इस बात के लिए बहुत मायने रखता है कि आप कौन-सा करियर चुनते हैं। यदि आप किसी मेट्रो शहर में आलीशान मकान में रहने का ख्वाब पाले हुए हैं, तो क्लर्क की नौकरी आपका यह लक्ष्य पाने में मददगार नहीं होगी। अगर बड़ा लक्ष्य रखा है, तो कुछ बड़ा सोचना पड़ता है और बड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

5. सेल्फ-असेसमेंट टूल्स : कुछ सेल्फ-असेसमेंट टूल्स का इस्तेमाल कर आप विभिन्न करियर ऑप्शंस में से कुछ को अपनी लिस्ट में से हटाकर अपना चुनाव कुछ आसान कर सकते हैं। विभिन्ना क्षेत्रों में अपनी योग्यता को परखने के लिए ऑनलाइन जॉब डिस्क्रिप्शन, क्विज, करियर इंफॉर्मेशन आदि की मदद लें। आपके शहर में कोई करियर काउंसलिंग सेमीनार हो रहा हो, तो उसमें शामिल हों।

6. धैर्य रखें : धैर्य रखना बहुत जरूरी है क्योंकि करियर का चुनाव करना एक प्रक्रिया है, न कि कोई इवेंट जिसे झटपट पूरा करना है। इसलिए जल्दबाजी न करें।

सात दिवसीय संगीत महोत्सव

24 से 30 नवंबर तक सजेगी सुरों की महफिल, 150 से अधिक कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

पंडित जसराज की संगीत विरासत को समर्पित 54वां समारोह



भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा और महान संगीतज्ञ पद्म विभूषण पंडित जसराज की विरासत को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 54वां 'जय हो पंडित जसराज! पं. मोतीराम-पं. मणिराम संगीत समारोह' 24 से 30 नवंबर तक हैदराबाद के माधापुर स्थित सीसीआरटी एम्फीथिएटर में आयोजित किया जाएगा। पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस सात दिवसीय महोत्सव में 150 से अधिक प्रतिष्ठित एवं युवा कलाकार विभिन्न संगीत विधाओं की प्रस्तुतियां देंगे। तेलंगाना सरकार का संस्कृति विभाग इस आयोजन को सहयोग प्रदान कर रहा है।

संगीत की विविध विधाओं का संगम

हैदराबाद के सबसे पुराने संगीत समारोहों में शामिल इस आयोजन में हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक शास्त्रीय संगीत, अर्द्धशास्त्रीय, सूफी-कव्वाली, आध्यात्मिक एवं भक्ति संगीत, हवेली संगीत, गजल, लोक संगीत, सिम्फनी, हल्का संगीत और शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुतियां होंगी।

तेलंगाना के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि राज्य सरकार भारतीय संगीत विरासत के संरक्षण और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाले इस प्रतिष्ठित समारोह को निरंतर सहयोग देने पर गर्व महसूस करती है। उन्होंने दुर्गा जसराज एवं पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन की ओर से महान संगीत विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की।

45 से अधिक कलाकारों की विशेष प्रस्तुति

समारोह की निदेशक दुर्गा जसराज ने कहा कि यह विरासत पांच दशकों से अधिक समय से भारतीय संगीत की विभिन्न विधाओं को एक मंच पर लाने का माध्यम बनी हुई है। उनके अनुसार, इस आयोजन का उद्देश्य स्थापित संगीत गुरुओं के साथ युवा प्रतिभाओं को अवसर देना तथा भारतीय संगीत को देश-विदेश के अधिक से अधिक श्रोताओं तक पहुंचाना है।

30 नवंबर को समारोह की समापन संध्या पंडित जसराज की वार्षिक संगीतमय भेंट को समर्पित होगी। इसमें 'आठ प्रहर' विषय पर आधारित विशेष प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें 45 से अधिक संगीतकार 24 घंटे के रागों को जीवंत सिम्फनी के साथ प्रस्तुत करेंगे।

संगीत और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष सत्र

इस वर्ष समारोह में संगीत और मानसिक स्वास्थ्य के संबंधों पर भी विशेष पहल की जाएगी। पंडित जसराज के शिष्य डॉ. विजय साठे इस विषय पर सत्र प्रस्तुत करेंगे। वे पिछले 35 वर्षों से अस्पतालों एवं मरीजों के साथ संगीत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इस सत्र में संगीत के माध्यम से स्वास्थ्य सुधार और मानसिक कल्याण में मिलने वाली सहायता पर चर्चा होगी। समारोह की सभी प्रमुख प्रस्तुतियों का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिससे देश-विदेश के संगीत प्रेमी इस आयोजन से जुड़ सकेंगे।

संपादकीय

'गरीबी' का बयान लगातार

प्रधानमंत्री मोदी आजकल 'गरीबी' वाला बयान लगातार दोहरा रहे हैं। बेशक फौजियों को संबोधित किया हो या आईआईटी-आईटीआई के छात्रों और युवाओं का आह्वान किया हो अथवा फिक्की के समारोह में उद्योगपतियों से संवाद कर रहे हों या किसी सम्मेलन के मंच से संबोधित किया हो, प्रधानमंत्री यह बताना नहीं भूलते कि पिछले 12-13 साल में 50 करोड़ लोग 'अत्यधिक गरीबी' से बाहर आए हैं। यह विश्व बैंक की रपट है, जिसका विश्लेषण हम कर चुके हैं। यह आकलन 2011-23 के दौरान का है। उसमें तीन साल कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के भी हैं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों, किसानों, आम आदमी के लिए कई परियोजनाओं की शुरुआत की है, लेकिन उनसे न तो गरीबी कम हुई है और न ही कोई संभावना है। हम भी अपने विश्लेषण का सारांश दोहरा रहे हैं कि गरीबी संबंधी सभी दावे 'अद्र्धसत्य' पर आधारित हैं। सरकार का ही आंकड़ा है कि 2015 तक 'सामाजिक सुरक्षा' के नाम पर सरकार को 24,000 करोड़ रुपए लोगों की मदद के लिए बांटने पड़ते थे, जो अब बढ़ कर 3,32,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गए हैं। यह मजबूरी क्यों और कैसी है? राशन, पेंशन, बीमा, आवास और सबसिडी आदि की सामाजिक सुरक्षा पर भारत सरकार को कुल बजट का करीब 18 फीसदी खर्च करना पड़ता है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 2.5 फीसदी है। एक और सरकारी आंकड़ा...नीति आयोग की ही रपट में खुलासा किया गया था कि 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं, न किसी तरह की ट्रेनिंग हासिल कर रहे हैं और न ही किसी नौकरी, रोजग़ार में हैं। यदि इतनी बड़ी संख्या 'बेकार' और 'निष्क्रिय' है, तो क्या वे 'गरीब' नहीं होंगे? मोदी सरकार करीब 81.35 करोड़ लोगों को, बीते कई सालों से, 'मुफ्त अनाज' बांट रही है। इस पर 2.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक सालाना खर्च किए जा रहे हैं। यदि इन लोगों को हर माह यह 5 किलो 'मुफ्त राशन' न मिले, तो उन घरों की खाद्य-स्थिति क्या होगी, हम उसका आकलन नहीं कर सकते, लेकिन उन करोड़ों लोगों को कमोबेश 'सामान्य श्रेणी' में गिना नहीं जा सकता। सवाल तो यह भी है कि 'मुफ्तखोरी' की योजनाएं क्यों जारी हैं? क्या सिर्फ इसलिए कि भारत एक 'कल्याणकारी देश' है? क्या देश पर करीब 225 लाख करोड़ रुपए के कर्ज का एक कारण 'मुफ्तखोरी' भी है? मुफ्त बांटा या मुहैया कराया जा रहा है, क्योंकि वे लोग आर्थिक रूप से विपन्न हैं! विश्व बैंक की रपट का बुनियादी सार यह है कि उसने 3-4.2 डॉलर रोजाना (करीब 285-400 रुपए) की आय वालों को 'गरीबी' से निकाल कर 'सामान्य श्रेणी' में माना है। क्या भारत सरकार इसी को 'गरीबी रेखा से नीचे' वाली स्थिति मानती है? प्रधानमंत्री मोदी को उद्योगपतियों से यह सवाल क्यों करना पड़ा कि सरकार ने तो 12 लाख रुपए तक आयकर में छूट दी है, कॉरपोरेट टैक्स 30 फीसदी से घटा कर 22 फीसदी कर दिया है, आपने कितने कर्मचारी बढ़ाए? कितने वेतन बढ़ाए? अर्थात साफ है कि प्रधानमंत्री निजी क्षेत्र में नौकरियों, निजी निवेश और वेतन की स्थितियों से 'असंतुष्ट' हैं! बेशक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, मूडीज जैसी विख्यात रेटिंग एजेंसी आदि ने भारत की आर्थिक विकास दर 7 फीसदी आंकी है, लेकिन आईएमएफ ने यह भी आकलन किया है कि भारत में मात्र 1 फीसदी वर्ग के पास 40-50 फीसदी संपत्तियां, संसाधन हैं, करीब 5 फीसदी लोगों के पास 55 फीसदी तक की संपत्तियां हैं। प्रधानमंत्री गरीबी से निकलने वाले लोगों की औसतन आय 9-12,000 रुपए प्रति माह पर ही फुलफुला रहे हैं। अमीरी-गरीबी के बीच कितनी गहरी असमानता है? भारत की प्रति व्यक्ति आय आज भी 2.35-2.50 लाख रुपए सालाना है, जबकि जापान, जर्मनी, फ्रांस सरीखे देश कई गुना आगे हैं। देश का युवा, शिक्षित वर्ग प्रधानमंत्री के बयान से संतुष्ट नहीं होगा। भारत बुनियादी तौर पर आज भी एक गरीब देश है।

प्रधानमंत्री यह बताना नहीं भूलते कि पिछले 12-13 साल में 50 करोड़ लोग 'अत्यधिक गरीबी' से बाहर आए हैं। यह विश्व बैंक की रपट है, जिसका विश्लेषण हम कर चुके हैं। यह आकलन 2011-23 के दौरान का है। उसमें तीन साल कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के भी हैं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों, किसानों, आम आदमी के लिए कई परियोजनाओं की शुरुआत की है, लेकिन उनसे न तो गरीबी कम हुई है और न ही कोई संभावना है। हम भी अपने विश्लेषण का सारांश दोहरा रहे हैं कि गरीबी संबंधी सभी दावे 'अद्र्धसत्य' पर आधारित हैं। सरकार का ही आंकड़ा है कि 2015 तक 'सामाजिक सुरक्षा' के नाम पर सरकार को 24,000 करोड़ रुपए लोगों की मदद के लिए बांटने पड़ते थे, जो अब बढ़ कर 3,32,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गए हैं। यह मजबूरी क्यों और कैसी है? राशन, पेंशन, बीमा, आवास और सबसिडी आदि की सामाजिक सुरक्षा पर भारत सरकार को कुल बजट का करीब 18 फीसदी खर्च करना पड़ता है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 2.5 फीसदी है। एक और सरकारी आंकड़ा...नीति आयोग की ही रपट में खुलासा किया गया था कि 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं, न किसी तरह की ट्रेनिंग हासिल कर रहे हैं और न ही किसी नौकरी, रोजग़ार में हैं। यदि इतनी बड़ी संख्या 'बेकार' और 'निष्क्रिय' है, तो क्या वे 'गरीब' नहीं होंगे? मोदी सरकार करीब 81.35 करोड़ लोगों को, बीते कई सालों से, 'मुफ्त अनाज' बांट रही है। इस पर 2.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक सालाना खर्च किए जा रहे हैं। यदि इन लोगों को हर माह यह 5 किलो 'मुफ्त राशन' न मिले, तो उन घरों की खाद्य-स्थिति क्या होगी, हम उसका आकलन नहीं कर सकते, लेकिन उन करोड़ों लोगों को कमोबेश 'सामान्य श्रेणी' में गिना नहीं जा सकता।

बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही

संतुलित विकास की सोच से ही बच सकती है दुनिया

अर्नब जहां 28-29 अक्टूबर को आया तो दो नवंबर को मुरासू कहर बनकर उभरा। इतिहास में कम ही मौके ऐसे आए होंगे, जब सिर्फ एक हफ्ते के भीतर दो-दो तूफान आए। इन दोनो तूफानों ने ना सिर्फ माली नुकसान पहुंचाया, बल्कि मौसम चक्र को भी बदलकर रख दिया। दोनों के असर से उत्तर भारत तक के मौसम में बदलाव दिखने लगा है। करीब डेढ़ दशक से उत्तर भारत में देर से दस्तक देने वाला ठंड का मौसम कुछ पहले ही आ गया है। विगत कुछ दशकों से भारत ही नहीं दुनिया के मौसम चक्र में बदलाव दिख रहा है। इसकी वजह से वातावरण का तापमान बढ़ रहा है, बारिश का चक्र या तो कमजोर पड़ रहा है या फिर अचानक ही किसी इलाके में तीव्र हो जा रहा है। इसके चलते जहां वनस्पतियों की जहां कुछ प्रजातियां नष्ट हो रही हैं, वहीं जंतु जगत के कार्यकलाप, आदत और अस्तित्व में परिवर्तन नजर आने लगे हैं। इसका असल फसल चक्र और उनकी पैदावार पर भी पड़ रहा है। अव्वल तो दुनिया को इन बदलावों से चिंतित होना चाहिए, विश्व परेशान भी दिखता है, लेकिन इस बदलाव को थामने की वैश्विक स्तर पर जैसी संजीदा कोशिश होनी चाहिए, नहीं हो रही है मोटे तौर पर इस बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही है। उन्नीसवीं सदी की औद्योगिक क्रांति के पहले तक पूरी दुनिया में संतुलित उपभोग का सिद्धांत काम करता था। औद्योगीकरण के बढ़ते कदम के साथ इस सोच में कमी आई। लेकिन उदारीकरण के तेज बढ़ते कदमों की वजह से दुनिया में उपभोगवाद को बढ़ावा। जैसे-जैसे उपभोग की संस्कृति बढ़ती गई, उत्पादन की मांग बढ़ती गई। उत्पादन के चलते प्रकृति का दोहन बढ़ा, ऊर्जा की मांग बढ़ी। इस पूरी प्रक्रिया में प्रकृति और सभ्यता के बीच संतुलन गड़बड़ाना शुरू हुआ। जिसका असर जलवायु परिवर्तन के रूप में दिख रहा है। महात्मा गांधी बहुत पहले इस व्यवस्था को लेकर दुनिया को चेता चुके थे। उपभोगवाद को नियंत्रित रखने की कल्पना उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तिका हिंद स्वराज में की है। 1909 में लिखी इस पुस्तिका में गांधी ने लिखा है, "हम देखते हैं कि मन एक बेचैन पक्षी है; जितना अधिक इसे मिलता है, उतना ही यह चाहता है और असंतुष्ट रहता है। हम जितना अधिक अपने जुनून में लिप्त होते हैं, वे उतने ही बेलगाम होते जाते हैं। इसलिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे भोग-विलास की एक सीमा तय की। उन्होंने देखा कि खुशी काफी हद तक एक मानसिक स्थिति थी। एक आदमी जरूरी नहीं कि इसलिए खुश हो क्योंकि वह अमीर या दुखी है। आखिरकार, वह गरीब है। अमीरों को अक्सर दुखी और गरीबों को खुश देखा जाता है। लाखों लोग हमेशा गरीब रहेंगे। यह सब देखते हुए, हमारे पूर्वजों ने हमें विलासिता और सुख से दूर रखा।" आज दुनिया ने शहरीकरण और औद्योगीकरण को विकास का पैमाना मान लिया है। दोनों ने ही हमारे जीवन में उपभोगवाद को बढ़ावा दिया है। इसकी वजह से हमारी जलवायु में कई तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका सबसे स्पष्ट संकेत यह है कि दुनिया गर्म हो रही है। वैज्ञानिकों को यह बात उपग्रहों, मौसम संबंधी गुब्बारों, थर्मामीटरों, मौसम केंद्रों और अन्य स्रोतों से जुटाए गए सबूतों से पता चली है। 1880 के बाद से, विश्व के औसत तापमान में लगभग एक डिग्री सेल्सियस यानी करीब 1.7 डिग्री फ़ारेनहाइट की वृद्धि हुई है। अगर शहरीकरण और औद्योगीकरण केंद्रित उपभोगवाद यूं ही जारी रहा तो अनुमान है कि 2050 तक वैश्विक तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस यानी करीब 2.7 डिग्री फ़ारेनहाइट और साल 2100 तक 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1960 के दशक से वैश्विक औसत वार्षिक तापमान में लगातार वृद्धि हुई है। इसके आंकड़ों के अनुसार, 20वीं सदी के बाद से सबसे गर्म रहे 20 वर्षों में से 19 वर्ष सिर्फ 2001 के बाद के हैं। आशंका है कि भविष्य में आने वाला सबसे ठंडा वर्ष भी, 20वीं सदी के सबसे गर्म वर्ष की तुलना में अधिक गर्म होगा। विस्कॉन्सिन में तापमान और वर्षा में आए बदलावों का पता लगाने के लिए, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन के वैज्ञानिकों ने 'नेशनल क्लाइमेटिक डेटा सेंटर' द्वारा पूरे राज्य के नेटवर्क से जुटाए गए तापमान रिकॉर्ड का विश्लेषण किया है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि 1950 के दशक के बाद से विस्कॉन्सिन का तापमान 2 डिग्री फ़ारेनहाइट बढ़ गया है, साथ ही यहाँ बारिश में 4.5 इंच यानी करीब 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसमें सबसे ज़्यादा तापमान सर्दियों में बढ़ा है, जबकि वर्षा में सबसे अधिक वृद्धि गर्मियों के दौरान हुई है। सक्रिप्स इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी के डॉ. चार्ल्स डेविड कीलिंग द्वारा शुरू की गई वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड की दैनिक रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि वातावरण में उपलब्ध कार्बन डाइऑक्साइड में घटत-बढ़त होती रही है। जाहिर है कि इसका असर भी मौसम चक्र पर पड़ रहा है। दरअसल कार्बन डाइऑक्साइड का संबंध प्रकाश संश्लेषण से जुड़ा है। वसंत के मौसम में जब पौधे बढ़ते हैं, तो वे हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके उसे कार्बन में बदल देते हैं, साथ ही ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वहीं, पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है। मौसमी बदलावों के अलावा कीलिंग के अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि समय के साथ कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है। उनके अध्ययन के अनुसार, 1958 में जहां इसकी उपस्थिति 313 पार्ट्स प्रति मिलियन थी, वहीं 30 मार्च 2020 तक बढ़कर यह 415 प्रति मिलियन हो गई। कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में हुई इस वृद्धि को 'कीलिंग कर्व' कहा जाता है। इन अध्ययनों से पता चलता है कि साल 1900 तक, कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर जहां स्थिर और लगभग 150 से 280 प्रति मिलियन के बीच था, वहीं 1900 के दशक की शुरुआत में, CO_2 का स्तर बहुत तेजी से बढ़ने लगा। आज, यानी 120 साल बाद, इसका स्तर औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। साफ है कि जब तक दुनिया इसके प्रति नहीं चेतेगी, मौसम में बदलाव का चक्र नहीं रूकेगा। इससे सभ्यता का भविष्य भी खतरे में होगा। इसलिए जरूरी है कि प्रकृति से सामंजस्य के साथ संतुलित विकास के नजरिए से दुनिया आगे बढ़े। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या दुनिया इस तरह सोचने को तैयार है।



देश दुनिया से

आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं

मानवीय जीवन सभी प्रकार के लौकिक और अलौकिक सुखों की प्राप्ति के लिए है। भारतीय शास्त्रों और पुराणों में मनुष्य जीवन सभी योनियों से श्रेष्ठ है। यह परमात्मा द्वारा दिया गया एक पवित्र और दुर्लभ अवसर है जिसका उद्देश्य अपने कर्मों को सुधारना तथा आत्मिक चेतना का विकास करना है। शास्त्रों के अनुसार देवताओं को भी इस बात की इच्छा रहती है कि वे मनुष्य शरीर प्राप्त कर सत्कर्म करें और जीवन सफल बनाएं। इसी उद्देश्य से भगवान राम और भगवान कृष्ण मनुष्य देह में जन्म लेकर लोगों के कल्याणार्थ मनुष्य की योनी में धरती पर आए। त्रेता युग में भगवान राम का जन्म एक साधारण मनुष्य की तरह हुआ। भगवान राम ने सिखाया कि परिवार, समाज तथा राज्य की मर्यादा में नियमों का पालन कैसे किया जा सकता है। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य न खोना, मर्यादित आचरण, मानव जीवन को जीने की कला सीखना तथा सत्य और धर्म के मार्ग पर अडिग रहना राम तत्व का सार है। इसी प्रकार द्वापर युग में फल की चिंता किए बिना अपना कर्म पूरी निष्ठा से करना, जीवन में हर चुनौती के बीच मुस्कुराते रहना, निर्भय होना, निःस्वार्थ प्रेम तथा भक्ति कृष्ण तत्व का सार है। दोनों ने ही सत्य, प्रेम, शांति और धर्मानुसार जीवन को जीने का संदेश दिया। मनुष्य को अपने जीवन का महत्व समझते हुए सुख, शान्ति, प्रेम और आदर, श्रद्धा और विश्वास से जीवनयापन करना चाहिए। बहुत ही दुःखद है कि अनेकों बार मनुष्य अपने दुःख-दर्द, कष्टों, परेशानियों और तकलीफों को पहाड़ समझ बैठता है और आत्महत्या जैसा कदम उठा लेता है। उसे लगता कि इस दुनिया में कोई उसका नहीं है और विभिन्न पारिवारिक, सामाजिक, शारीरिक और मानसिक कारणों की वजह से वह क्षण भर में आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा लेता है। अत्यधिक नशीले पदार्थों के सेवन से विवेक मर जाना भी इसका एक प्रमुख कारण है। आत्महत्या अत्यधिक मानसिक पीड़ा और निराशा से उपजी एक अवस्था है जो क्षण भर में घटित हो जाती है। चिंतनीय यह भी है कि आत्महत्या करने वाले व्यक्ति अबोध बच्चे हैं जिन्हें जीवन का कुछ पता ही नहीं, युवा भी हैं और अधेड़ उम्र के वृद्ध भी हैं। असफल ही नहीं, धनवान और सफल व्यक्ति भी हैं। जो यह जानते कि आत्महत्या के पश्चात कुछ भी हासिल नहीं होगा। क्षण भर में आवेश में आकर ऐसा दुस्साहसी कदम उठा लेते हैं। वास्तव में आत्महत्या कोई साहसी कदम नहीं है। यह एक कायर और डरपोक व्यक्ति का काम है जो दुनिया के कष्टों, तकलीफों और परेशानियों से सामना न करके मौत को गले लगा लेता है। वर्तमान में व्यक्ति में सहन करने की क्षमता बहुत कम हो गई है। छोटी सी बात का बहाना, प्रेम सम्बन्ध में असफलता, पारिवारिक विवाद, वैवाहिक जीवन में तनाव, बाहरी घटनाओं का दबाव, मन इच्छित न मिल पाना, परीक्षा में असफलता, बैंक का कर्ज, पारिवारिक झगड़ा, मानसिक तनाव, जिद, आक्रोश, खौफ, अकेलापन, परेशानी, चिड़चिड़ापन, बेचैनी, चिंता, आत्मसंयम खो देना या किसी चुनौती का सामना न कर पाना ही आत्महत्या का मुख्य कारण रहता है। इसके अतिरिक्त अनेक व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, शारीरिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, मानसिक तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी कारण भी ऐसी घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में रहते हैं। इस सन्दर्भ में पन्द्रह नवंबर रविवार की शाम को छह बजे के करीब जिला बिलासपुर के घुमारवीं शहर के साथ लगते सीर खड्ड पुल पर चौदह-पंद्रह वर्ष की दो नाबालिग लड़कियों का छलांग लगाकर आत्महत्या कर लेना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक है। आत्महत्या के क्या कारण रहे होंगे, यह पुलिस की जांच-पड़ताल का विषय है, लेकिन अबोध बालिकाओं का क्षणभर में अपनी जीवनलीला समाप्त कर लेना परिवार, समाज तथा मानवता पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। जिन बच्चों ने अभी जीवन देखा नहीं, कोई अच्छे-बुरे की समझ नहीं, उन्होंने इतना खौफनाक कदम क्यों उठाया होगा? यह बहुत ही चिंतनीय और पीड़ादायक है। चिंतनीय यह भी है कि वर्तमान समाज, प्रदेश और देश में आत्महत्याओं के मामलों में भारी वृद्धि दर्ज की जा रही है। कहीं न कहीं यह जीवन की अशांति, असन्तोष, तनाव और दबाव को भी व्यक्त करता है। यह सभी बहुत विचारणीय है कि जीवन में स्वास्थ्य और शिक्षा बहुत ही आवश्यक होने के बावजूद हमारे समाज और व्यवस्थाओं में स्वास्थ्य शिक्षा और मनोविज्ञान शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाती। बच्चों के सर्वांगीण विकास में मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक शिक्षा बहुत आवश्यक है। प्रारम्भिक से उच्चतर शिक्षा में बच्चों को मनोवैज्ञानिक शिक्षा दी जानी चाहिए। शिक्षण संस्थानों में मुख्याध्यापकों, प्रधानाचार्यों तथा शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों के साथ उनसे सम्बन्धित विषयों पर चर्चा करें। उनकी मानसिकता, मनोविज्ञान, भावनाओं तथा शारीरिक बदलावों-संवेगों को समझने और समझाने का प्रयास करें। चर्चा-परिचर्चा तथा मानवीय संवेदनाओं को समझने तथा शिक्षित करने से भी बच्चों में इस तरह की प्रवृत्ति को दूर करने का प्रयास किया जा सकता है। वर्तमान में प्रत्येक शिक्षण संस्थान में मनोविज्ञान तथा हेल्थ काउंसलर की नियुक्ति होना समय की मांग है। आत्महत्या की प्रवृति होना आधुनिकता और भौतिकवाद का प्रभाव भी है। यह बढ़ते नशीले पदार्थों का प्रतिबिम्ब भी है। बच्चे तनाव और दबाव में हैं, माता-पिता और अभिभावकों के पास उनके लिए समयाभाव है। माता-पिता के बच्चों को कमाकर पैसे देने के कर्तव्य की इतिश्री तथा भावनात्मक खाई को कम करना भी आवश्यक है।



आप का नज़रिया

हाई कोर्ट खंडपीठ के मार्फत

तपोवन में विधानसभा के शीतकालीन सत्र की ओपनिंग कांगड़ा से शुरू होकर कांगड़ा के साथ ही क्लोजिंग हुई। यानी जिन दीवारों ने टूटते हुए कांगड़ा जिला के, वजूद के गिरते पत्थर देखे, उन्हीं के दम पर धर्मशाला में हाई कोर्ट के स्थायी बेंच का संकल्प भी देखा। सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू द्वारा प्रस्तुत संकल्प पर हुई रजामंदी ने एक तरह से कांगड़ा में हाई कोर्ट की स्थायी खंडपीठ के दरवाजे खोल दिए हैं। हालांकि चार दशक पुरानी इस मांग को लेकर कई बार वकीलों के लंबे आंदोलन चलते रहे, लेकिन इस तरह का कोई संकल्प विधानसभा के मार्फत पुष्ट नहीं हुआ। देश के कर्नाटक राज्य में धनबाद व कलबुर्गी, मध्य प्रदेश में ग्वालियर व इंदौर, महाराष्ट्र में मुंबई हाई कोर्ट की नागपुर व औरंगाबाद में स्थायी खंडपीठ कार्यरत हैं। हिमाचल में न्यायिक ढांचा जिस रफ्तार से विकेंद्रीकृत हुआ है, उसे देखते हुए हाई कोर्ट की खंडपीठ अगर धर्मशाला आकर बैठती है, तो इससे भौगोलिक और न्यायिक नजदीकी से कानून का स्पर्श मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प के साथ ढांचागत सुविधाओं तथा आवश्यक प्रक्रिया अपनाने का वादा ही नहीं किया, बल्कि खाका भी पेश किया है। जाहिर है सरकार इसे मजबूत मामला बना कर पेश करना चाहती है ताकि आवश्यक स्वीकृतियां हासिल की जा सकें। इससे पूर्व कुछ आधे अधूरे प्रयास जरूर हुए, लेकिन मामले को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। जाहिर है सुक्खू सरकार अपने कदमों के कुछ स्थायी निशान कांगड़ा में छोडऩा चाहती है। पहले शिमला से कुछ दफ्तरों का स्थानांतरण जिस तरह हुआ, उसी परिप्रेक्ष्य में हाई कोर्ट की स्थायी बेंच, भौगोलिक समरसता का संदेश लेकर आ रही है। पहले ही शिमला उच्च न्यायालय के फलक पर विविध विषयों के अलावा कर्मचारी मसलों का दबाव रहता है। ऐसे में अगर धर्मशाला में स्थायी बेंच स्थापित होती है, तो हिमाचल के एक बड़े हिस्से के न्यायिक अधिकारों को गति मिलेगी। सरकार के इस फैसले के कई अन्य आयाम भी हैं। खास तौर पर गगल एयरपोर्ट के बाद यह एक ऐसी घोषणा है जो कांगड़ा के साथ-साथ चंबा, हमीरपुर, ऊना और मंडी को भी प्रभावित करती है। इससे पूर्व न्याय के संतुलन को देखते हुए जिला मुख्यालयों के बाहर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय तथा पुलिस जिला बनाए जा चुके हैं और अगर खंडपीठ की मार्फत कानून की परिक्रमा सहज व सरल होती है, तो यह प्रदेश की भौगोलिक संरचना में नया संतुलन पैदा करेगी। इसी कड़ी में जिलों का इलाकीय पुनर्गठन पूरे प्रदेश से संबोधित होना चाहिए। कमोबेश हर जिला की इकाई में भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और भाषाई गठबंधन अगर निरूपित हैं, तो इस दृष्टि से हर पहलू का व्यापक विश्लेषण जरूरी है। प्रदेश की सडक़ों, बड़ी जलापूर्ति परियोजनाओं, कनेक्टिविटी, अधोसंरचना व रोजगार के पहलुओं को देखते हुए पहले शहरीकरण को तवज्जो देनी चाहिए। प्रदेश के शहरों का वर्गीकरण करते हुए मंडी को सांस्कृतिक, बीबीएन को आर्थिक, हमीरपुर को शैक्षणिक, चंबा को धरोहर, ऊना को औद्योगिक तथा धर्मशाला को दूसरी राजधानी के रूप में विकास का मॉडल मिलना चाहिए। बहरहाल शीतकालीन सत्र तक आते-आते सत्ता और विपक्ष के बीच अपने-अपने रिपोर्ट कार्ड तथा सियासी हिसाब किताब रूबरू हैं। कांग्रेस के पास अंतिम वर्ष की छांव में पूरा एक साल और अंतिम बजट बचा है, जबकि भाजपा के पास डबल इंजिन सरकार का दावा और केंद्र का शक्ति प्रदर्शन खड़ा है। ऐसे में जबकि सुक्खू सरकार ने वित्तीय संकट और प्राकृतिक आपदाओं की त्रासदी के बावजूद, अपनी गारंटियों के पैमाने बरकरार रखे, भाजपा को राष्ट्र निर्माण के नक्शे पर हिमाचल का परिचय बताना होगा।

यानी जिन दीवारों ने टूटते हुए कांगड़ा जिला के, वजूद के गिरते पत्थर देखे, उन्हीं के दम पर धर्मशाला में हाई कोर्ट के स्थायी बेंच का संकल्प भी देखा। सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू द्वारा प्रस्तुत संकल्प पर हुई रजामंदी ने एक तरह से कांगड़ा में हाई कोर्ट की स्थायी खंडपीठ के दरवाजे खोल दिए हैं। हालांकि चार दशक पुरानी इस मांग को लेकर कई बार वकीलों के लंबे आंदोलन चलते रहे, लेकिन इस तरह का कोई संकल्प विधानसभा के मार्फत पुष्ट नहीं हुआ। देश के कर्नाटक राज्य में धनबाद व कलबुर्गी, मध्य प्रदेश में ग्वालियर व इंदौर, महाराष्ट्र में मुंबई हाई कोर्ट की नागपुर व औरंगाबाद में स्थायी खंडपीठ कार्यरत हैं। हिमाचल में न्यायिक ढांचा जिस रफ्तार से विकेंद्रीकृत हुआ है, उसे देखते हुए हाई कोर्ट की खंडपीठ अगर धर्मशाला आकर बैठती है, तो इससे भौगोलिक और न्यायिक नजदीकी से कानून का स्पर्श मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प के साथ ढांचागत सुविधाओं तथा आवश्यक प्रक्रिया अपनाने का वादा ही नहीं किया, बल्कि खाका भी पेश किया है। जाहिर है सरकार इसे मजबूत मामला बना कर पेश करना चाहती है ताकि आवश्यक स्वीकृतियां हासिल की जा सकें। इससे पूर्व कुछ आधे अधूरे प्रयास जरूर हुए, लेकिन मामले को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। जाहिर है सुक्खू सरकार अपने कदमों के कुछ स्थायी निशान कांगड़ा में छोडऩा चाहती है। पहले शिमला से कुछ दफ्तरों का स्थानांतरण जिस तरह हुआ, उसी परिप्रेक्ष्य में हाई कोर्ट की स्थायी बेंच, भौगोलिक समरसता का संदेश लेकर आ रही है।

कुछ अलग

मुगालते में हर कोई

जिंदगी गुजारने के लिए कोई न कोई मुगालता जरूरी है। जिसने मुगालता नहीं पाला, समझो जिंदगी का अहम विषय खो दिया। देश का हर काम मुगालते पर चल रहा है, बल्कि आवाम को चलाने के लिए वही हुक्मरान कहीं अच्छा है, जो मुगालते बांटता है। इसलिए लोगबाग मुगालते में धर्म और मुगालते में ही कर्म को श्रेष्ठ कर लेते हैं। एक सामान्य व्यक्ति के सामने मुगालतों में अपने योग्य कोई ठीक सा मुगालता खोजना बहुत कठिन है, इसलिए पीछे वही रह जाते हैं। हर बार कोई न कोई चुनाव आम आदमी को वोट देने का मुगालता करार देता है। आजादी के बाद केवल आम आदमी के मुगालते के कारण ही देश सरकारें चुन रहा है और अंत में इनका कार्यकाल ही मुगालता बन जाता है। मुगालता दरअसल बांझ गाय से दूध लेने की प्रक्रिया है। देश में सबसे बड़ा मुगालता यह है कि गंजे को मूंडना सबसे आसान है, जबकि यह ऐसा नहीं है।

दृष्टि कोण

नई तकनीक तैयार करके आगे बढ़ता भारत

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ वर्षों पहले तक देश के बाहर ईजाद हुई तकनीक का इस्तेमाल करने वाला भारत अब नए डिजिटल दौर में स्वयं नई आधुनिक तकनीक तैयार करके नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को न केवल भविष्य की तकनीकों को अपनाना चाहिए, बल्कि साहसिक प्रयोग और नवाचार करते हुए भविष्य की तकनीक के विकास के लिए दुनिया का नेतृत्व भी करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बढ़ते साइबर सुरक्षा के खतरों पर चिंता जताई और कहा कि वित्तीय नेटवर्क और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए मजबूत समाधान विकसित करने होंगे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित जटनी में भारतीय रिजर्व बैंक के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह नया सेंटर पूरे देश को एक सुरक्षित, आधुनिक और आत्मनिर्भर डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश की तेजी से बढ़ती डिजिटल बैंकिंग, भुगतान (यूपीआई) और अंतर-बैंकिंग निपटान प्रणालियों को तकनीकी रूप से नया सुदृढ़ आधार मिलेगा। मोदी ने कहा कि डिजिटल सेवाओं के समावेश से चौबीसों घंटे पारदर्शी बैंकिंग सुविधा उपलब्ध हुई है। पहले जहां औपचारिक बैंकिंग प्रणाली तक छोटे कारोबारियों की पहुंच असंभव मानी जाती थी, वहीं आज बिना किसी संपत्ति की गारंटी के रेहड़ी-पटरी वालों, पारंपरिक कारीगरों, छोटे उद्यमियों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आसान एवं सस्ता संस्थागत ऋण प्राप्त हो रहा है। डिजिटल पहचान और आधुनिक तकनीकी ढांचे ने देश के सबसे निर्धन वर्ग को वित्तीय रूप से मुख्यधारा में शामिल किया है। गौरतलब है कि केयरएज ग्लोबल रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र दुनिया के 10 सबसे असरदार संरचनात्मक सुधारों में शामिल हो चुका है। वैश्विक स्तर पर 38 देशों के 43 प्रमुख सुधारों का गहन अध्ययन करने के बाद जारी की गई इस वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के इस अभूतपूर्व डिजिटल ढांचे ने न केवल आम नागरिकों के लिए प्रशासनिक और बैंकिंग सेवाओं को सुलभ बनाया है, बल्कि लेन-देन की लागत में भी ऐतिहासिक कटौती की है। इसी तरह स्टेट ऑफ इंडियाज डिजिटल इकोनॉमी (साइड) 2026 रिपोर्ट के अनुसार भारत अब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है। इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट रूप से उजागर होता है कि भारत ने अपनी डिजिटल कार्यक्षमता, नेटवर्क कवरेज और तकनीकी प्रदर्शन में जर्मनी, फ्रांस, जापान और कनाडा जैसे कई विकसित राष्ट्रों को पीछे छोड़ दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत का डिजिटल विकास देश की आर्थिक प्रगति का नया आधार बन गया है। बीते एक दशक में भारत ने जिस तीव्र गति, दूरदर्शिता और नवाचार के साथ अपने डिजिटल तंत्र का विस्तार किया है, उसने देश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलकर



इंदौर में जमशेद आलम का ऐतिहासिक धमाका, डेब्यू पर चार गेंदों में चार विकेट

इंदौर

सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के एलीट ग्रुप बी मुकाबले में डेली कालेज मैदान पर रेलवे के तेज गेंदबाज जमशेद आलम ने अपने टी-20 पदार्पण को यादगार बना दिया। उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ लगातार चार गेंदों पर चार विकेट झटककर इतिहास रच दिया। जमशेद ने महज नौ गेंदों में पांच विकेट पूरे किए। पुरुष टी-20 क्रिकेट में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले वह तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की बदौलत रेलवे ने सौराष्ट्र को 29 रन से पराजित किया।

नौ गेंदों में पांच विकेट लेकर रचा इतिहास; सौराष्ट्र के खिलाफ रेलवे को 29 रन से दिलाई जीत, पुरुष टी-20 में ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय बने

183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौराष्ट्र की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के चौथे ओवर में गेंदबाजी करने आए जमशेद आलम ने तीसरी गेंद पर हरविक देसाई, चौथी पर प्रेरक मांकड़, पांचवीं पर रुचित अहीर और छठी गेंद पर समर गज्जर को आउट कर दिया। लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेकर उन्होंने हैट्रिक भी पूरी की।

इसके बाद अपने अगले ओवर में सिद्धांत राणा को पवेलियन भेजकर महज नौ गेंदों में पांच विकेट का कारनामा पूरा किया। जमशेद ने चार ओवर में 38 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और प्लेयर आफ द मैच चुने गए।

जमशेद से पहले भारत के अभिमन्यु मिथुन और दर्शन नलकंडे पुरुष टी-20 क्रिकेट में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं। खास बात यह है कि जमशेद टी-20 पदार्पण पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज भी बने हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के आफाक अफरीदी ने दिसंबर 2024 में अपने पदार्पण मुकाबले में यह कारनामा किया था।

जमशेद के शुरुआती झटकों से सौराष्ट्र का स्कोर 24 रन पर पांच विकेट और बाद में 30 रन पर छह विकेट हो गया था। इसके बाद हरवंश पांगलिया ने 61 गेंदों में नाबाद 80 रन और क्रेन्स फुलेत्रा ने 23 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन सौराष्ट्र की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 153 रन ही बना सकी।

इससे पहले रेलवे ने टास गंवाकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 182 रन बनाए थे। जयंत लखन ने 39 गेंदों में 47, रवि सिंह ने 23 गेंदों में 32 और जुबैर अली ने 18 गेंदों में नाबाद 27 रन का योगदान दिया। सौराष्ट्र की ओर से प्रेरक मांकड़ और मोहित उल्वा ने दो-दो विकेट लिए।

ग्रुप बी में सौराष्ट्र शीर्ष पर, रेलवे आठवें स्थान पर

इस हार के बावजूद सौराष्ट्र पांच मैचों में चार जीत और एक हार के साथ 16 अंक लेकर ग्रुप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। रेलवे पांच मैचों में एक जीत और चार हार के साथ चार अंक लेकर आठवें स्थान पर है।

न्यूज ब्रीफ

हाथ में फ्रैक्चर के कारण विल जैक्स इंग्लैंड लौटेंगे, टाम बैंटन संभालेंगे उपकप्तानी



मेलबर्न। इंग्लैंड के आलराउंडर विल जैक्स हाथ में फ्रैक्चर के कारण आस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में टाम बैंटन को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। वहीं, पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए इंग्लैंड की टीम में एक नए खिलाड़ी को भी शामिल किया गया है। जैक्स को मेलबर्न में पहले टी20 मुकाबले में मिली करीबी हार के दौरान चोट लगी थी। अपनी टीम की पारी के 19वें ओवर में बेन ड्वारशुइस की गेंद पर मुश्किल कैच पकड़ने की कोशिश में उनके दाएं हाथ में चोट लग गई। इसके बाद उनके हाथ से खून बहने लगा और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा।जांच में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें स्वदेश लौटना पड़ रहा है। उनके साथी खिलाड़ी गोल्ड कोस्ट के लिए रवाना हो गए हैं। चोट के कारण जैक्स पहली बार अपने देश की कप्तानी करने का मौका भी गंवा देंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले पांचवां और अंतिम टी20 मुकाबला खेला जाना है। नियमित कप्तान हैरी ब्रूक इस मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। ऐसे में जैक्स को दो दिसंबर को कैनबरा में होने वाले मुकाबले में टीम की कमान सौंपने की योजना थी। अब यह जिम्मेदारी बैंटन को दी गई है। उन्हें अधिक अनुभवी खिलाड़ियों से आगे चुनकर ब्रूक का उपकप्तान बनाया गया है। इस दौड़ में फिल साल्ट और सैम करन भी शामिल थे। साल्ट 2024 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि सैम करन इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स और वाइटैलिटी ब्लास्ट में सरे की कप्तानी कर चुके हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से बैंटन ने कोचिंग स्टाफ को प्रभावित किया है। उन्होंने टीम में शांत लेकिन प्रभावशाली भूमिका निभाई है और जैकब बेथेल तथा जोस बटलर की चोटों के कारण मिले अवसरों का पूरा फायदा उठाया है।

फार्मूला वन रेस को रोमांचक बनाने नये स्वरुप में वी8 इंजनों की होगी वापसी

पेरिस। फार्मूला वन रेस को रोमांचक बनाने के लिए संचालन संस्था की संचालन संस्था (एफआईए) ने एक करार किया है। जिसमें सभी टीमों के साथ ही इंजन निर्माता भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि साल 2030 से फार्मूला 1 में वी8 इंजन को नये रुप में एक बार फिर शामिल किया जाएगा। साल 2013 के बाद वी8 इंजन बंद कर दिये गये थे। ये नये इंजन 2.1-लीटर टर्बोचार्ज्ड वी8 होंगे और पर्यावरण के अनुकूल होंगे। ये सस्टेनेबल ईंधन पर काम करेंगे। जिससे इनमें कम खर्च आयेगा। एफआईए ने कहा, एफआईए ने साल 2030 से लागू होने वाले एफ1 पावर यूनिट नियम पेश किए हैं, जिसमें 2.1 लीटर टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन को मुख्य पावर यूनिट के रूप में चुना गया है। इसमें इंजन की कुछ पुरानी विशेषताओं को भी बरकरार रखा गया है। इसका लक्ष्य रेसिंग को अधिक रोमांचक और आक्रामक बनाना है, जिससे दुनिया भर के प्रशंसक इसका आनंद ले सकें। एफआईए ने कहा कि इस योजना के तहत वी8 पावर यूनिट को एक ऐसे चेसिस के साथ जोड़ा जाएगा जो हल्का और अधिक फुर्तीला होगा।

सचिन के तूफानी अर्धशतक से तमिलनाडु की बड़ी जीत, बिहार को 99 रन से हराया



इंदौर। सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के एलीट ग्रुप बी मुकाबले में तमिलनाडु ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए बिहार को 99 रन से हरा दिया। होलकर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 238 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में बिहार की टीम 15.5 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। तमिलनाडु की ओर से बालासुब्रमण्यम सचिन ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 83 रन बनाए। उनकी पारी में 7 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। अमित सात्विक ने भी 28 गेंदों में 53 रन की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। सी आंद्रे सिद्धार्थ ने 24 गेंदों में 34 और रितिक ईश्वरन ने 14 गेंदों में 31 रन बनाए। अंतिम ओवरों में तुषार रहेजा ने महज 3 गेंदों में नाबाद 12 रन बनाकर टीम का स्कोर 238 तक पहुंचाया। 239 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिहार की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में आयुष लोहारुका का विकेट गंवा दिया। अशिष कुमार ने 16 गेंदों में 33 और अल्तमिश अशरफ ने 27 गेंदों में 45 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की। पीयूष सिंह ने भी 18 गेंदों में 27 रन बनाए, लेकिन लगातार विकेट गिरने से बिहार की टीम दबाव से उबर नहीं सकी और 15.5 ओवर में 139 रन पर आलआउट हो गई।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका : न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर खिसका भारत की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका

नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को पांच दिनों के रोमांचक मुकाबले के बाद ड्रा पर समाप्त हुआ। इस नतीजे के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारत चौथे स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत घटकर 50.00 हो गया है। इससे फाइनल में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को और झटका लगा है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड शीर्ष दो से बाहर होकर तीसरे स्थान पर खिसक गया है। उसका अंक प्रतिशत घटकर 66.67 हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका 75.00 अंक प्रतिशत के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। उसे 23 से 27 नवंबर के बीच बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में अपनी स्थिति और मजबूत करने का मौका मिलेगा।

आस्ट्रेलिया 69.23 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम अगली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी धरती पर चार टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद जनवरी 2027 में भारत का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमों के बीच पांच टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण बार्डर-गावस्कर ट्राफी खेली जाएगी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका - दक्षिण अफ्रीका आठ मैचों में छह जीत और दो हार के साथ 72 अंक तथा 75.00 अंक प्रतिशत लेकर पहले स्थान पर है। आस्ट्रेलिया ने 13 मैचों में नौ जीत और चार हार दर्ज की हैं। उसके खाते में 108 अंक हैं और अंक प्रतिशत 69.23 है। न्यूजीलैंड सात मैचों में चार जीत, एक हार और दो ड्रा के साथ 56 अंक तथा 66.67 अंक प्रतिशत लेकर तीसरे स्थान पर है।

भारत ने 12 मैचों में पांच जीत, चार हार और तीन ड्रा खेले हैं। उसके कुल 72 अंक और 50.00 अंक प्रतिशत हैं। बांग्लादेश नौ मैचों में तीन जीत, चार हार और दो ड्रा के साथ 44 अंक तथा 40.74 अंक प्रतिशत लेकर पांचवें स्थान पर है।

इंग्लैंड 16 मैचों में सात जीत, आठ हार और एक ड्रा के साथ 74 अंक तथा 38.54 अंक प्रतिशत लेकर छठे स्थान पर है। उसके कुल अंकों में 14 अंक की कटौती भी शामिल है। वेस्टइंडीज 14 मैचों में तीन जीत, आठ हार और तीन ड्रा के साथ 46 अंक तथा 27.38 अंक प्रतिशत लेकर सातवें स्थान पर है। उसके दो अंक काटे गए हैं।

श्रीलंका आठ मैचों में एक जीत, तीन हार और चार ड्रा के साथ 13 अंक तथा 13.54 अंक प्रतिशत लेकर आठवें स्थान पर है। उसके 15 अंक काटे गए हैं। पाकिस्तान 11 मैचों में तीन जीत, सात हार और एक ड्रा के साथ नौवें स्थान पर है। उसके खाते में 24 अंक की कटौती के बाद कुल अंक तालिका में 9 अंक हैं।



अल्काराज एटीपी फाइनल्स जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी बने, नडाल ने दी बधाई

टयूरिन। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने यहां हुएएटीपी टेनिस फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 7-6(6) से हराकर खिताबी जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही अल्काराज ने इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का खिताब पहली बार जीता है। इसी के साथ ही इस स्पेनिश खिलाड़ी ने अपने करियर का 30वां और इस सीजन का छठा खिताब अपने नाम किया। यह जीत के साथ ही वह एटीपी फाइनल्स की ट्राफी जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले साल 1976 में मैनुअल ओरेंट्स और 1998 एलेक्स कोरेटजा ने ये खिताब जीता था। खिताब जीत के बाद अल्काराज को प्रशंसकों के अलावा देश के दिग्गज खिलाड़ी और विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल से एक विशेष बधाई संदेश मिला है। नडाल ने अल्काराज की इस शानदार उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उनके मुश्किलों भरे सीजन के बाद मिली इस जीत को सराहा। यह जीत अल्काराज के लिए कई मायनों में खास है, क्योंकि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए अपना अभियान समाप्त किया। अल्काराज ने फाइनल मुकाबले में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 7-6(6) के स्कोर से हराया। अल्काराज की जीत के तुरंत बाद, नडाल ने सोशल मीडिया पर अल्काराज के शानदार प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, अल्काराज को एटीपी फाइनल्स जीतने पर बधाई। मुझे पता है कि यह साल काफी कठिन रहा है और मुझे बहुत खुशी है कि आपने इतना शानदार खेल दिखाते हुए यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जीत लिया। नडाल ने अल्काराज को उनके अगले टूर्नामेंट, डेविस कप, के लिए भी शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि नडाल का यह बधाई संदेश ऐसे समय में आया है जब अल्काराज को इस सत्र में चोटों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा था। अप्रैल में बार्सिलोना एटीपी 500 टूर्नामेंट के दौरान उनकी कलाई में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें चार महीने से अधिक समय तक कोर्ट से दूर रहना पड़ा। अगस्त में यूएस ओपन के साथ उन्होंने कोर्ट पर वापसी की और धीरे-धीरे अपना बेहतरीन फार्म हासिल किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने सत्र के अंत में महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जीते।

अब्दुल समद के तूफानी अर्धशतक से जम्मू-कश्मीर की रोमांचक जीत, पंजाब को 5 विकेट से हराया

इंदौर

सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के एलीट ग्रुप बी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पंजाब को 5 विकेट से हरा दिया। डेली कालेज मैदान पर खेले गए मुकाबले में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 195 रन बनाए। जवाब में जम्मू-कश्मीर ने अब्दुल समद की तूफानी पारी की बदौलत 19.5 ओवर में 5 विकेट खोकर 198 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया।



27 गेंदों में नाबाद 64 रन ठोककर बने प्लेयर आफ द मैच; एक गेंद शेष रहते 196 रन का लक्ष्य हासिल किया, अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंची टीम

196 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जम्मू-कश्मीर की टीम को क़मरान इकबाल ने 33 गेंदों में 53 रन बनाकर मजबूत शुरुआत दी। हालांकि, मध्यक्रम में कुछ विकेट गिरने से मुकाबला रोमांचक हो गया। ऐसे समय में अब्दुल समद ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 27 गेंदों में नाबाद 64 रन ठोक दिए। उनकी पारी में 2 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। ऋधम शर्मा ने भी 10 गेंदों में 18 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया, जबकि लोन नासिर ने 15 गेंदों में नाबाद 23 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। समद को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

इससे पहले पंजाब ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 195 रन बनाए। विहान मल्होत्रा ने 59 गेंदों में नाबाद 85 रन की पारी खेली। कप्तान रमनदीप सिंह ने 27 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए, जबकि उदय सहारण ने 16 गेंदों में 22 और नमन धीर ने 17 गेंदों में 25 रन का योगदान दिया। जम्मू-कश्मीर की ओर से हरप्रीत बराड़ ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए।

अंक तालिका में जम्मू-कश्मीर चौथे स्थान पर

इस जीत के साथ जम्मू-कश्मीर के पांच मैचों में तीन जीत और दो हार से 12 अंक हो गए हैं। टीम ग्रुप बी की अंक तालिका में -1.265 नेट रनरेट के साथ चौथे स्थान पर है। पंजाब भी 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। बेहतर नेट रनरेट के आधार पर सौराष्ट्र 16 अंकों के साथ शीर्ष पर और दिल्ली 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

आरसीबी का लक्ष्य तीसरी बार डब्ल्यूपीएल खिताब है जीतना : कोच



कोच्चि। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच मलोलन रंगराजन ने कहा है कि उनकी टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 में अपने खिताब को बनाये रखने का पूरा प्रयास करेगी। कोच के अनुसार आरसीबी का लक्ष्य अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए तीन डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली पहली टीम बनना है। टीम ने साल 2024 और 26 में खिताब जीते थे। कोच ने कहा, हम पिछले साल लीग में अपने प्रदर्शन का बारीकी से आंकलन करते हैं, लीग के विकास को समझने की कोशिश करते हैं, अपनी टीम में कमियों की पहचान करते हैं, और लगातार सुधार की प्रक्रिया में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि कि डब्ल्यूपीएल 2027 का अगला सत्र जनवरी में शुरू होने की उम्मीद है, और टीम अब सिर्फ यही देख रही है कि वे अपनी टीम को कैसे बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, हमारे पास पहली टीम बनने का अवसर है जिसने तीन चैंपियनशिप जीती हैं और बैक-टू-बैक विजेता बनी है। इसी के तहत ही नीलामी की तैयारी महीनों पहले ही शुरू हो गई थी। टीम की दावेदारी को मजबूत करने वाली सबसे महत्वपूर्ण खबर आस्ट्रेलियाई स्टार आल-राउंडर एल्सी पेरी की वापसी है, जो पिछले सीजन में निजी कारणों से टीम का हिस्सा नहीं थीं।

स्ट्राइकर वेलबेक के आने के बाद भी चेल्सी की किस्मत नहीं बदली

लंदन

प्रीमियर लीग फुटबाल के इस सत्र में अब तक इंग्लिश क्लब चेल्सी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। साल 2025-26 सत्र के अंत में टीम 10वें स्थान पर रही थी। टीम ने इस सत्र में नये स्ट्राइकर डैनी वेलबेक को शामिल किया था पर उससे भी टीम के प्रदर्शन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। इसका कारण वेलबेक का उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन में असफल रहना है। इस सत्र में वेलबेक ने अब तक 9 मैच खेले हैं। वेलबेक ने कुल 157 मिनट खेला है पर वह न को कोई गोल कर पाये और न ही किसी गोल में सहायता कर पाये। गत दिवस हुए मुकाबले में भी चेल्सी को लीड्स युनाइटेड के खिलाफ 1-4 से हार झेलनी पड़ी। वेलबेक 8 मैच में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतारे और केवल एक बार ही अंतिम ग्यारह में वह शामिल रहे।

वहीं इससे पहले वेलबेक ने दो साल के करार के अवसर पर कहा था कि उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर क्लब को खिताबी जीत दिलाना है। वेलबेक ने कहा था कि चेल्सी के लिए खेलकर वह सम्मानित अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रीमियर लीग का यह क्लब उन्हें हर साल बेहतर बनने और खिताब जीतने के लिए प्रेरित करेगा। इंग्लैंड के लिए 42 मैच खेल चुके वेलबेक का साल 2028 तक के लिए इस क्लब से अनुबंध हैं। वेलबेक ने अब तक अपने करियर में प्रीमियर लीग में 400 मैच खेले हैं। वह यूईएफए चैंपियंस लीग में भी खेले हैं। इसके अलावा दो बार फीफा विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम में रहे थे।वेलबेक ने कहा, मैं एक शानदार ड्रेसिंग रूम में बड़ा हुआ हूं, जहां के खिलाड़ी कमाल के थे। इससे मेरे काम करने के तरीके और मेरी रोजमर्रा की आदतों पर बहुत अच्छा असर पड़ा। मैंने प्रीमियर लीग के कुछ सबसे बड़े क्लबों के लिए खेला है, और कुछ छोटे क्लबों के साथ भी समय बिताया है।

इस सारे अनुभव ने मुझे एक इंसान और एक खिलाड़ी के तौर पर और भी बेहतर बनाया है। मेरे पास युवा खिलाड़ियों को देने के लिए बहुत सारी सलाह है। मुझे लगता है कि मेरी उम्र के इस पड़ाव पर आप अपने आप ही एक तरह की लीडरशिप भूमिका में आ जाते हैं। यह मेरे लिए बहुत स्वाभाविक है, क्योंकि मैं हमेशा से ही दूसरों की मदद करने वाला इंसान रहा हूं। बड़े होते हुए मुझे अच्छे रोल माडल मिले हैं।



मुम्बई इंडिया को बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा : उथप्पा

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर और मुम्बई इंडियंस के नये बल्लेबाज कोच रोबिन उथप्पा ने कहा है कि टीम के खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। इससे उसे पहले की तरह ही प्रशंसकों का समर्थन मिलेगा। आईपीएल में पांच बार की विजेता रही मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन पिछले कुछ सत्र में लगातार खराब रहा है जिससे वह अंक तालिका में काफी निचले स्थान पर रही है। अब जबकि टीम के साथ ही कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया गया है। जिससे टीम की संभावनाएं पहले से बेहतर नजर आती हैं। उथप्पा ने कहा, मुंबई इंडियंस को दोबारा अपनी पहचान साबित करने और प्रशंसकों का भरोसा जीतने एक टीम के रूप में हमें कई चीजों पर काम करना होगा।

उथप्पा को इस बार कीरोन पोलार्ड की जगह पर बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। वहीं टी दिलीप फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे जबकि मुंबई इंडियंस के पूर्व खिलाड़ी मिचेल



मैक्लेनाघन को गेंदबाजी कोच बनाया गया है। उथप्पा ने कहा कि क्रिकेट से बड़ा कोई नहीं है। इसलिए सभी को लगातार सीखने के लिए तैयार रहना चाहिये।

साथ ही कहा कि जब आप लगातार सीखने तैयार रहते हैं तो आपके अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही कहा कि खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट शुरू होने से पहले अपने खेल, टीम के उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर आपका रुख स्पष्ट होना चाहिये। साथ ही कहा कि उनका जोर खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी का माहौल देना और उनकी जरूरत के समय उपलब्ध रहना होगा। इसके साथ ही अच्छे प्रदर्शन के लिए जो भी जरुरी हो वह सुविधा उन्हें उपलब्ध करायेंगे।

उथप्पा ने आगे कहा, कई बार अनुभवी खिलाड़ियों से केवल बातचीत से ही लाभ हो जाता है। साथ ही कहा कि मेरी कोचिंग का तरीका हमेशा यही रहा है कि खिलाड़ी को रुख को समझते हुए उसे सहासता दी जाये।

उथप्पा ने कहा कि मेरा काम खिलाड़ियों को केवल लक्ष्यों के प्रति जवाबदेह बनाए रखना और उनके व्यक्तिगत उद्देश्यों को टीम के बड़े लक्ष्य के साथ जोड़ना है। उनका मानना है कि किसी भी खिलाड़ी के प्रदर्शन में सुधार तभी संभव है, जब उसे सही माहौल और अपनी क्षमता दिखाने की आजादी मिले। उन्होंने भरोसा जताया कि मुंबई की मौजूदा टीम में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। टीम ने हाल ही में ट्रेड करार के जरिये तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह हो पंजाब किंग्स से लिया है। अर्शदीप को आलराउंडर हार्दिक पंड्या की जगह पर लिया है।

ऋषभ टीम का माहौल सकारात्मक बनाते हैं : जुरेल



वेलिंगटन। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। जुरेल का मानना है कि ऋषभ टीम का माहौल सकारात्मक बनाते हैं। जुरेल के अनुसार उनकी बल्लेबाजी जितनी अच्छी है उतना ही उनका व्यवहार भी है। वह सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हैं। इस युवा क्रिकेटर का कहना है कि उनकी बल्लेबाजी देखकर मुझे हैरानी होती है। इसलिए मैं हमेशा से प्रयास करता रहा हूं कि बल्लेबाजी के दौरान उनकी मानसिकता कैसी रहती है इसका मुझे अंदाजा लगाना है। जुरेल के अनसार इसी लिए जब भी मैं उनसे बात करता हूं तो उनकी बल्लेबाजी की रणनीति के बारे में पूछता हूं। कई बार मैंने देखा है कि वह पारंपरिक शाट की जगह पर आक्रामक रुख अपनाते हुए क्रीज से बाहर निकलकर अलग अंदाज में बल्लेबाजी करते करते हुए बड़े शाट लगाकर गेंदबाजों को हैरान कर देते हैं। उनका यही अंदाज मुझे पसंद हैं। जुरेल ने पंत को अपना पसंदीदा खिलाड़ी और सलाहकार बताते हुए कहा, मैं उन्हें एक खिलाड़ी और मेंटर दोनों के रूप में बेहद पसंद करता हूं। जब भी मेरी उनसे बातचीत होती है, वह हमेशा सकारात्मक ऊर्जा और अच्छा माहौल लेकर आते हैं। हमारी टीम में उनके जैसा खिलाड़ी होना शानदार बात है।वहीं जुरेल ने टीम में अपनी भूमिका को लेकर कहा कि मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसे मैं उसे निभाने के लिए तैयार हूं। देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना मेरी प्राथमिकता है।

श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह, सेवा भावना और समर्पण के साथ भाग लिया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमनलता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा एवं ई-जगन चंपापेट सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है। भूखे को भोजन कराना केवल दान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और दिखावे के प्रेम एवं करुणा के साथ की जाए। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य भी इसी भावना के साथ समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत करना है।

ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और किसी की भूख मिटाने में सहभागी बनना ही सेवा की सबसे बड़ी सार्थकता है। राधे-राधे ग्रुप भविष्य में भी इसी तरह नियमित अन्नसेवा के माध्यम से समाज में मानवता और सेवा संस्कारों का संदेश प्रसारित करता रहेगा। राधे-राधे के जयघोष के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

महेंद्र जोशी का अभिनंदन



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ की गौरवशाली धरा जोधाणा से पधारे हरसौर निवासी स्व. हरिप्रसाद जी जोशी (पूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय सिखवाल ब्राह्मण महासभा, पुष्कर) के सुपुत्र श्री महेंद्र जी जोशी का नगर आगमन पर सिखवाल प्रगति समाज की ओर से आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ समाजबंधुओं ने पारंपरिक रूप से साफा एवं शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष श्री नंदकिशोर व्यास 'बिलाल', वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रामदेव नागला, उपाध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेता श्री महेंद्र कुमार व्यास, पूर्व सहसचिव श्री रामदेव व्यास, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल तिवारी, संगठन मंत्री श्री चंपालाल ओझा, महासचिव श्री सुरेश कुमार व्यास 'जानम' (मारवाड़-मुंडवा), भाग्यनगर अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार कंदोई तथा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री चेतन तिवारी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अतिथि सत्कार भारतीय संस्कृति और सामाजिक संस्कारों की गौरवशाली परंपरा है। स्व. हरिप्रसाद जी जोशी के समाजसेवा में दिए गए योगदान का स्मरण करते हुए उनके सुपुत्र का सम्मान करना समाज के लिए गौरव का विषय है। आयोजन ने सामाजिक एकजुटता, पारस्परिक सम्मान एवं सौहार्द का संदेश दिया।





गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने अग्रवाल समाज तेलंगाना सेंट्रल जोन के समन्वयक अजय कुमार तुलस्यान के निवास पर पहुंचकर उनकी माता श्रीमती गीता देवी तुलस्यान से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए कुशलक्षेम जाना।

चंद्रायनगुट्टा स्थित न्यू इंदिरा नगर के श्री जीण माता धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जीण माता के दर्शन कर अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पंडित राकेश शर्मा (बंटी महाराज), मनोज अग्रवाल, यश अग्रवाल सहित मंदिर के अन्य सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।,



मुस्लिम जंग पुल, बेगम बाजार स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में महंत चेतन गिरी के आयोजन में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री रामचंद्र मठ संगम पीठाधीश्वर महंत राहुल दास महाराज, आचार्य सुनील पांडेय, महंत सागर दास, संतोष सिंह, पूर्व पार्षद शंकर यादव, विमल किशोर करवा, विक्रम सिंह, अजय सिंह, आकाश सिंह, अमर सिंह, रोशन सिंह, तुषार सिंह, कार्तिक सिंह, भगवान सांखला, कृष्णा पांडेय, कालिया पहलवान, हर्ष भगत, अभिषेक एवं आदित्य सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

रोजगार की जिम्मेदारी उद्योगपतियों पर डालना सरकार की विफलता : तिवारी

पुणे, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फिक्की के कार्यक्रम में उद्योगपतियों से रोजगार सृजन और कर्मचारियों के वेतन बढ़ाने की अपील पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने सवाल उठाए हैं।



अपील करना सरकार की रोजगार नीति की विफलता दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। उद्योगपतियों से नौकरियां देने की तिवारी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने श्रमिक हितों की अनदेखी करते हुए श्रम कानूनों में बदलाव किए हैं।

उन्होंने हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे का उल्लेख करते हुए सरकार से रोजगार सृजन, युवाओं के लिए अवसर और श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने चुनावी बॉन्ड, गरीबी के आंकड़ों और आर्थिक नीतियों को लेकर भी केंद्र सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए।

गीत चाँदनी का पूर्णिमा कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साहित्यिक संस्था 'गीत चाँदनी' की ओर से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार, 24 नवंबर को दोपहर 1 बजे चिल्कूर बालाजी मंदिर, गण्डीपेट में पूर्णिमा कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। गण्डीपेट झील के सुरम्य तट पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद करेंगे। सम्मेलन की शुरुआत मां गंगा की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन से होगी। यह आयोजन संस्था के संस्थापक कार्यदर्शी स्व. नेहपाल सिंह वर्मा की पुण्य-स्मृति को समर्पित रहेगा। इसमें नगरद्वय के कवि-कवयित्रियां अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव हैं। संस्था ने साहित्य प्रेमियों से सपरिवार शामिल होने की अपील की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गोल्डन...

इसके अलावा चीन के गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (गोल्ड ईटीएफ) में अक्टूबर में लगातार चौथे महीने 6.3 टन सोना शामिल किया गया, जिसकी कीमत लगभग 784 मिलियन डॉलर थी। अब चीन की कुल स्वर्ण ईटीएफ होल्डिंग बढ़कर रिकॉर्ड 310 टन तक पहुंच गई है। हालांकि, गिरती कीमतों के कारण प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों का मूल्य 4 प्रतिशत घटकर 40 अरब डॉलर रह गया।

आखिर चीन की सोना खरीदने की रणनीति क्या है?

सोना सस्ता होने के बावजूद चीन अपने भंडार को बढ़ा रहा है। इसके पीछे सोने को लेकर चीन की दीर्घकालिक रणनीति है। दरअसल, चीन अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी पकड़ बढ़ाने के लिए सोने पर विशेष ध्यान दे रहा है।

चीन की लगातार सोना खरीदने की नीति केवल निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उसकी दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है। वह अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करके अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों को शामिल कर रहा है।

किसी भी आपदा या वैश्विक तनाव की स्थिति में सोने को हमेशा सुरक्षित संपत्ति माना जाता है। विपरीत परिस्थितियों में यह बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। साथ ही, इस पर किसी दूसरे देश का सीधा नियंत्रण भी नहीं होता।

केंद्रीय बैंक क्यों जारी रखे हुए हैं खरीदारी?

सोने की कीमतों में कमजोरी के बावजूद दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की खरीदारी तेज बनी हुई है। जेफरीज के अनुसार, विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़े बताते हैं कि केंद्रीय बैंकों ने 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान कुल मिलाकर 321.2 टन सोना खरीदा। यह 2024 की चौथी तिमाही के बाद से सबसे अधिक खरीदारी है।

इससे पहले दूसरी तिमाही में केंद्रीय बैंकों ने 296.3 टन और पहली तिमाही में केवल 57.7 टन सोना खरीदा था।

इस तरह केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने का भंडार बढ़ाना विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। खासकर भू-राजनीतिक अनिश्चितता और बदलते मौद्रिक हालात के दौरान सोने को सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

मोदी एशिया...

आर्थिक ताकत में गिरावट, भविष्य की क्षमता में सुधार

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की आर्थिक क्षमता का स्कोर घटकर 26.4 अंक रह गया है। हालांकि, इस श्रेणी में भारत तीसरे स्थान पर बना हुआ है। लोवी इंस्टीट्यूट ने इसके पीछे रुपये की कमजोरी, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अर्थव्यवस्थाओं को मापने की पद्धति में बदलाव और भारत के विदेशी निवेश में करीब 20 अरब डॉलर की कमी को वजह बताया है।

वहीं, भारत के भविष्य के संसाधनों का स्कोर बढ़कर 56.2 अंक हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेहतर आर्थिक संभावनाओं से भारत को इस मामले में फायदा हुआ है।

रिपोर्ट की सबसे अहम बात प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को लेकर है। विशेषज्ञों के आकलन में सुधार के बाद क्षेत्रीय नेतृत्व के मामले में भारत तीन पायदान ऊपर चढ़ा है। अब प्रधानमंत्री मोदी को शी जिनपिंग के बाद एशिया का दूसरा सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता माना गया है।

लोवी इंस्टीट्यूट के विश्लेषक जैक सातो ने इसकी वजह स्थिरता और निरंतरता को बताया। उनके मुताबिक, उथल-पुथल के दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी भूमिकाओं में निरंतरता बनाए रखी है।

हालांकि, रिपोर्ट में प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व और रणनीतिक महत्वाकांक्षा को लेकर बनी धारणा में गिरावट भी दर्ज की गई है। इसकी वजह मध्य पूर्व के युद्ध के दौरान भारत की सीमित कूटनीतिक सक्रियता और अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने पर भारत की अपेक्षाकृत शांत प्रतिक्रिया को बताया गया है। यह युद्धपोत भारत में आयोजित सैन्य अभ्यास से लौट रहा था।

रक्षा सहयोग में भी भारत को फायदा

भारत का रक्षा नेटवर्क स्कोर बढ़कर 18.6 अंक हो गया है। इसकी वजह से इस श्रेणी में भारत दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ बढ़ते रक्षा सहयोग और ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री को इसकी प्रमुख वजह बताया गया है। वहीं, पाकिस्तान इस सूचकांक में 16वें स्थान पर पहुंच गया है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम संबंधी बातचीत में उसकी भूमिका से उसके कूटनीतिक प्रभाव को फायदा मिला है। हालांकि, रिपोर्ट का मानना है कि पाकिस्तान भविष्य में इस स्कोर को बरकरार नहीं रख पाएगा।

हुआंग...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने जेनसन हुआंग को सीईओ पद पर वापस लाने का सही और उचित फैसला किया है। कंपनी की सफलता और तरक्की के साथ-साथ अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए देश को एनवीडिया में जेनसन के नेतृत्व की जरूरत है।

ट्रंप के अनुसार, अमेरिकी सरकार के पास यह मानने की कोई वजह नहीं है कि जेनसन की एनवीडिया में वापसी से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा होगा। अमेरिका के अटॉर्नी जनरल ने भी पुष्टि की है कि सरकार के पास ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो कि जेनसन ने कोई गैरकानूनी काम किया है।

ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर जेनसन से अपनी जान-पहचान का उल्लेख करते हुए उन्हें महान देशभक्त और राष्ट्रीय धरोहर बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि एनवीडिया को अमेरिकी निर्यात नियंत्रण नियमों के पालन को लेकर अपनी आंतरिक जांच पूरी गंभीरता से जारी रखनी चाहिए, ताकि कंपनी अपने कानूनी दायित्वों और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के कर्तव्य का पालन सुनिश्चित कर सके।

कंपनी ने आधिकारिक बयान में क्या कहा?

एनवीडिया ने घोषणा की है कि जेनसन हुआंग को तत्काल प्रभाव से कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ के पद पर दोबारा नियुक्त कर दिया गया है। उन्हें कंपनी के निदेशक मंडल में भी फिर से शामिल किया गया है।

कंपनी के बोर्ड ने सर्वसम्मति से उनकी वापसी का फैसला लिया। हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकें हुईं। इसके बाद बोर्ड उनके जवाबों और एनवीडिया का नेतृत्व करने की क्षमता से संतुष्ट हुआ।

अमेरिकी सरकार से भी लिया गया सुझाव

बोर्ड ने अपने फैसले से पहले अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी और सुझाव लिए। इस जानकारी के आधार पर बोर्ड का कहना है कि जेनसन हुआंग की वापसी से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है।

बोर्ड अध्यक्ष ने क्या कहा?

एनवीडिया के बोर्ड अध्यक्ष हार्वे सी. जोन्स ने कहा कि बोर्ड का मानना है कि जेनसन हुआंग ही कंपनी का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं। उनके मुताबिक, हुआंग की वापसी कंपनी के निवेशकों, कर्मचारियों और ग्राहकों के हित में है। उन्होंने कहा कि बोर्ड को जेनसन पर पूरा भरोसा है और वह दोबारा उनके नेतृत्व में काम करने के लिए उत्साहित है। हार्वे जोन्स बोर्ड अध्यक्ष बने रहेंगे।

यूएस मार्केट में...

फैसला एनवीडिया के निदेशक मंडल का बड़ा यू-टर्न माना जा रहा है, क्योंकि कुछ ही दिन पहले बोर्ड ने उनकी वापसी से साफ इनकार किया था।

बोर्ड ने सर्वसम्मति से लिया फैसला

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एनवीडिया के बोर्ड ने सर्वसम्मति से जेनसन हुआंग को एक बार फिर कंपनी का अध्यक्ष, सीईओ और निदेशक नियुक्त करने को मंजूरी दी है। बोर्ड का कहना है कि वह हुआंग के नेतृत्व को लेकर संतुष्ट है और उन्हें वापस लाने में किसी तरह का राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम नहीं देखता।

यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला है, क्योंकि कुछ समय पहले तक बोर्ड के स्तर पर उनकी वापसी की संभावना खारिज की जा रही थी और जांच-पड़ताल की चर्चाएं जोरों पर थीं।

विवाद के बाद इस्तीफा और फिर वापसी

जेनसन हुआंग की यह वापसी 12 नवंबर को उनके सीईओ पद से इस्तीफा देने के महज कुछ दिनों बाद हुई है। उनके दो महिलाओं के साथ कथित संबंधों को लेकर खबरें सामने आई थीं। इनमें से एक महिला को कथित तौर पर चीनी जासूस बताया जा रहा था। इन खुलासों के बाद उनके पद छोड़ने की खबरें चर्चा में आई थीं। हालांकि, चीन ने इन आरोपों से इनकार किया है।

इस विवाद के बीच खुफिया और सुरक्षा से जुड़ी जांच जारी रहने के बावजूद बोर्ड ने हुआंग के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए उन्हें फिर से कमान सौंपने का फैसला किया है।

निवेशकों में उत्साह, बाजार का रुख बदला

वॉल स्ट्रीट में बाजार खुलने से पहले ही प्री-मार्केट कारोबार में एनवीडिया के शेयरों में करीब 35 प्रतिशत तक उछाल दर्ज किया गया था। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अर्धचालक क्षेत्र में एनवीडिया की मजबूत स्थिति के बीच हुआंग की वापसी को बाजार ने बड़े सकारात्मक संकेत के रूप में लिया है।

नेपाल बिना...

बैठक से पहले बालेन शाह ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के जीवन ने साबित किया है कि सत्य की शक्ति दुनिया की किसी भी ताकत से बड़ी होती है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा कि वह गौतम बुद्ध की जन्मभूमि से आए हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की विरासत में वह प्रकाश है, जो शांति का संदेश देता है। करुणा को सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक नेतृत्व का अर्थ समाज के सबसे कमजोर वर्गों की निस्वार्थ सेवा करना है।

सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बीच ऊर्जा और संपर्क व्यवस्था जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। वहीं, दोनों प्रधानमंत्रियों ने अयोध्या-जनकपुर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सरयू-कमला एक्सप्रेस को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन अयोध्या को जनकपुर से जोड़ेगी। ट्रेन को फूलों से सजाया गया है। यह एक्सप्रेस ट्रेन 28 नवंबर से नियमित सेवा के लिए उपलब्ध होगी। यह अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम के बीच 604 किलोमीटर की दूरी लगभग 19 घंटे में तय करेगी। यह साप्ताहिक ट्रेन सेवा होगी।

बालेन शाह की दो दिवसीय यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब भारत और नेपाल की प्राथमिकताएं कई मामलों में एक जैसी हैं। दोनों देश आर्थिक विकास, लोगों के जीवन स्तर में सुधार, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और नई तकनीक अपनाने के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं तथा जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने पर जोर दे रहे हैं।

बिसलेरी...

यह कार्रवाई पानी के एक विशेष नमूने की जांच से जुड़ी है। इसे कंपनी के सभी संयंत्रों या उसके सभी उत्पादों के असुरक्षित होने का निष्कर्ष नहीं माना जा सकता।

बिसलेरी ने अपने स्पष्टीकरण में कहा है कि यह मामला करीब 14 महीने पुराना है और सितंबर 2025 में गोवा स्थित उसकी विनिर्माण इकाई में तैयार किए गए एक बैच से जुड़ा है।

कंपनी के मुताबिक, उसके नेटवर्क में कुल 143 संयंत्र हैं। बिसलेरी ने बताया कि 30 सितंबर 2025 को एफएसएसएआई ने गोवा इकाई से पानी के छह नमूने लिए थे। कंपनी का दावा है कि शुरुआती जांच में पांच नमूने सभी निर्धारित मानकों पर खरे उतरे थे। छठे नमूने में ब्रोमेट की मात्रा 12 माइक्रोग्राम प्रति लीटर मिली थी, जबकि इसकी निर्धारित सीमा 10 माइक्रोग्राम प्रति लीटर है। कंपनी के मुताबिक, 22 नवंबर 2025 को उसकी अपील के बाद नमूने को संदर्भ प्रयोगशाला भेजा गया। बिसलेरी का कहना है कि संदर्भ प्रयोगशाला ने ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा के भीतर पाई, लेकिन अलग से पीएएच की मौजूदगी का भी उल्लेख किया। कंपनी ने दोनों जांचों के नतीजों में अंतर को देखते हुए स्पष्टीकरण जारी किया है।कंपनी का कहना है कि उसने उसी नमूने की जांच एफएसएसएआई से मान्यता प्राप्त एक स्वतंत्र प्रयोगशाला से भी कराई। इस जांच में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा के भीतर पाई गई। बिसलेरी के मुताबिक, उसने 2 फरवरी 2026 को एक औपचारिक पत्र के साथ स्वतंत्र प्रयोगशाला की रिपोर्ट एफएसएसएआई के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय में जमा कराई थी। कंपनी का दावा है कि इसके बाद उसे एफएसएसएआई की ओर से कोई अन्य सूचना नहीं मिली और उसने समझा कि मामला बंद हो गया है। कंपनी ने यह भी कहा है कि उसे अब तक ई-मेल या लिखित रूप में कोई नोटिस नहीं मिला और वह एफएसएसएआई की वेबसाइट पर भी संबंधित नोटिस नहीं ढूंढ पाई।

इस मामले में एफएसएसएआई और कंपनी के दावों को अलग-अलग समझना जरूरी है। एफएसएसएआई के मुताबिक, जांच के लिए लिए गए पानी के नमूने को असुरक्षित घोषित किया गया और संदर्भ प्रयोगशाला की रिपोर्ट के बाद कानूनी कार्यवाही की मंजूरी दी गई है।

दूसरी ओर, बिसलेरी अपनी सफाई में स्वतंत्र प्रयोगशाला की जांच का हवाला देते हुए पानी को पीने के लिए सुरक्षित बता रही है।

कंपनी का दावा है कि उसकी 10 चरणों वाली विनिर्माण प्रक्रिया में 90 से अधिक तरह के गुणवत्ता परीक्षण किए जाते हैं। उसने कहा है कि पीने के पानी की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वह नियामक प्रक्रिया के तहत इस मामले को सुलझाने के लिए एफएसएसएआई के साथ सहयोग जारी रखेगी। इसलिए उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह कहना सही नहीं होगा कि एफएसएसएआई ने बिसलेरी के सभी उत्पादों को असुरक्षित घोषित किया है। वहीं, कंपनी के सुरक्षित होने के दावे को भी एफएसएसएआई की जांच रिपोर्ट का निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। पूरा मामला पानी के एक विशेष नमूने और उसकी जांच से जुड़ा है। एफएसएसएआई ने किन कंपनियों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी?

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 24 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

वैदिक मंत्रों से गूंजा चूड़ी धाम

जलाधिवास के बाद अन्नाधिवास की विधि संपन्न

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने दीं आहुतियां



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चूड़ी बाजार, बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास मठ (चूड़ी धाम) में आयोजित श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के द्वितीय दिवस पर प्रातःकाल से ही वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों का वातावरण बना रहा। महंत एवं मठाधीश डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी के पावन सान्निध्य में प्राण प्रतिष्ठा की पारंपरिक विधियों के तहत मां जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के दिव्य विग्रहों के विभिन्न संस्कार संपन्न कराए गए।

प्रातःकालीन अनुष्ठान में सर्वप्रथम जलाधिवास की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ देव विग्रहों को जल से विधिवत बाहर निकालकर अगले संस्कार के लिए प्रतिष्ठित किया गया। इसके उपरांत प्राण प्रतिष्ठा संस्कार की महत्वपूर्ण विधि अन्नाधिवास (धान्याधिवास) संपन्न कराई गई। इस प्रक्रिया में देवी-देवताओं के विग्रहों को पवित्र अन्न में विधिवत विराजमान कराया गया। वैदिक परंपरा में अन्नाधिवास को प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व संपन्न होने वाले महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल माना जाता है। इन धार्मिक विधियों को संपन्न कराने में श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा यज्ञाचार्य पं. भंवरलाल शर्मा, हैदराबाद तथा श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा यज्ञाचार्य एवं ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश महामाया, मुंबई की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में वैदिक परंपरा के अनुसार संस्कारों का क्रम आगे बढ़ा।

अन्नाधिवास के पश्चात हवन एवं यज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच हवन कुंड में विधि-विधान से आहुतियां अर्पित की गईं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भी बढ़-चढ़कर हवन में सहभागिता की। सामूहिक आहुतियों और मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर आध्यात्मिक वातावरण से गुंजायमान हो उठा। भक्तों की सक्रिय भागीदारी ने इस अनुष्ठान को सामूहिक श्रद्धा और आस्था का स्वरूप प्रदान किया। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत संपन्न हो रहे ये संस्कार मां जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के दिव्य विग्रहों की विधिवत प्रतिष्ठा की दिशा में महत्वपूर्ण चरण हैं। प्रत्येक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता से चूड़ी धाम में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि पांच दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ 22 नवंबर को भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा के साथ हुआ था। लगभग 500 निशानों और 500 कलशों के साथ निकली इस शोभायात्रा में करीब 2,500 श्रद्धालुओं ने भाग लिया था। महोत्सव के आगामी कार्यक्रमों के तहत 23 नवंबर को भजन संध्या, 24 नवंबर को संगीतमय सुंदरकांड पाठ, 25 नवंबर को मां जीण माता एवं श्री श्याम बाबा का नगर भ्रमण तथा 26 नवंबर को प्रातः 11:30 बजे से भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित होगा। चूड़ी धाम में धार्मिक अनुष्ठानों की यह श्रृंखला भाग्यनगर के श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था और आध्यात्मिक उल्लास का अवसर बन रही है। इस अवसर पर गिरिश कुमार गुप्ता, रुचिता गुप्ता, देवांश गुप्ता, विजेंद्र गोयल, सरिता गोयल, कृष्णा अग्रवाल, विनय जैन, संदीप कुमार जैन, स्वाति जैन, विकास जैन, नेहा जैन, दिलीप कुमार जैन, दीपांश जैन, दिविज जैन, बरखा रानी संघी, पायल जालान, रीमा जजोड़िया, रोहित जजोड़िया, पवन कुमार जजोड़िया एवं एवं अन्य उपस्थित थे।



जन सेवा संघ ने छठ पूजा के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले घाट प्रभारियों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं को किया सम्मानित



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव सुरेश पंडित द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सिकंदराबाद स्थित लायंस क्लब परिसर में छठ पूजा समिति के अध्यक्ष आर. पी. सिंह की अध्यक्षता में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें जन सेवा संघ की ओर से तेलंगाना के सभी घाटों के प्रभारियों, छठ पूजा में सहयोग देने वाले श्रद्धालुओं तथा छठ पूजा समितियों के सदस्यों को सम्मानित किया गया।

समारोह में तेलंगाना के पूर्व महानिदेशक (कारागार) वी. के. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने छठ पूजा के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा आगामी आयोजनों में और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। जन सेवा संघ के अध्यक्ष विश्वजीत सिंह एवं आर. पी. सिंह ने सभी सहयोगकर्ताओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही, सभी घाट प्रभारियों की सफल आयोजन के लिए सराहना की गई।

इस अवसर पर घाट प्रभारियों के सहयोग और आर्थिक सहायता देने वाले सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही, तेलंगाना सरकार के सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया गया। संस्था के महासचिव सुरेश पंडित ने छठ पूजा के आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार प्रकट किया। उन्होंने विशेष रूप से महानगरपालिका (जीएचएमसी), हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) तथा पुलिस प्रशासन के सहयोग की सराहना की। उन्होंने आयोजन के दौरान रह गई कमियों से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए अगले वर्ष उनमें सुधार करने का अनुरोध भी किया।

संस्था के कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ने छठ पूजा के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था के वरिष्ठ सदस्य एवं छठ पूजा प्रोटोकॉल के संयोजक श्रीकांत पांडे ने बताया कि अगले वर्ष जन सेवा संघ के तत्वावधान में करीब पांच स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्य में सहयोग देने के लिए मुख्य अतिथि विनय कुमार सिंह का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। संस्था के अध्यक्ष ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर तथा महासचिव ने पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जन सेवा संघ के अध्यक्ष विश्वजीत सिंह, महासचिव सुरेश पंडित, कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव राधे श्याम राय यादव, आर. पी. सिंह, श्रीकांत पांडेय, वी. डी. चौबे, डी. डी. तिवारी, के. डी. चौबे, एल. एम. चौधरी, बिनित सिंह, आर. के. सिंह, सुनील श्रीवास्तव, गोविंद तिवारी, जितेंद्र सिंह, कपिराज सिंह, प्रिया शर्मा, बिपिन पासवान, नरेंद्र प्रसाद, मोहम्मद मुनव्वर, राजेश शर्मा, श्रवण कुमार, श्याम शाह, भोला सिंह, दिनेश रजक, शेखर झा, सुजीत सिंह, मन्नु कुमार, राजेंदर सिंह सेंगर, नवरतन पासवान, बसंत सिंह सोलंकी, राणा अजय सिंह, टिकाधर यादव, मिंटू ओझा, सुरेंदर कुमार, बैजनाथ निशाद, जनार्धन प्रसाद, जी. डी. पाठक, सोनू पाठक, पिंटू कुमार, बी. राय, मोहन साहनी, उपेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

बैकुंठ चतुर्दशी पर राधे-राधे ग्रुप ने किया अन्नदान, सेवा और समर्पण का दिया संदेश



हैदराबाद। बैकुंठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने श्रद्धा, उत्साह और सेवा भावना के साथ जरूरतमंदों को अन्नदान कर पर्व की खुशियां साझा कीं।

बैकुंठ चतुर्दशी का पर्व भगवान विष्णु एवं भगवान शिव की आराधना का विशेष अवसर माना जाता है। यह पर्व हमें भक्ति, परोपकार, त्याग और मानव सेवा का संदेश देता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ग्रुप का मानना है कि भूखे को भोजन कराना केवल दान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची संवेदना और ईश्वर की आराधना है। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान, राजेश सर (योगा), नरेश बंसल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं वेंकट राव सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब उनकी खुशियां जरूरतमंदों के जीवन तक पहुंचें। सेवा कार्यों में जाति, धर्म और वर्ग का कोई भेद नहीं होता, क्योंकि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य भी इसी भावना के साथ निरंतर अन्नसेवा, गौसेवा और जरूरतमंदों की सहायता करते हुए समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव का संदेश प्रसारित करना है।

महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा का दीपावली मिलन एवं अन्नकूट आयोजित



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की ओर से दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शाखा के प्रचार-प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल के सभागृह में आयोजित हुआ।

सायं 7 बजे महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के पश्चात अन्नकूट प्रसाद का भोग लगाया गया। इसके बाद उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रसाद ग्रहण किया। लगभग 300 सदस्यों ने अन्नकूट प्रसाद का लाभ लिया। कार्यक्रम रात्रि 10:30 बजे तक चला।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), कोषाध्यक्ष ताराचंद बंसल, परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल, विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाले, अग्रवाल समाज की मंत्री डॉ. सीमा जैन, समाज के परामर्शदाता बद्री विशाल बंसल, सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), गोपाल मोर, शाखा के कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), संदीप गुप्ता, प्रवीण डाकोतिया, शंकर लाल अग्रवाल, सुशील केडिया, अरुण गुप्ता, सीए रविंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल एवं शंकर लाल अग्रवाल उपस्थित रहे।

विशेष आमंत्रित गणमान्य अतिथियों में सतीश चंद्र अग्रवाल, आईएएस, चेतन संघी, आईएएस, अजय जैन, आईएएस तथा डॉ. गिरीश संघी, पूर्व राज्यसभा सांसद शामिल रहे। शाखा अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल ने इन सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

शाखा के अन्य सदस्यों में अशोक चंद अग्रवाल, चंद्रकांत अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार गुप्ता, भगवान दास अग्रवाल, अशोक दादरीवाला, नरेश अग्रवाल, सुरेश कुमार सिंघल, महेंद्र कुमार डाकोतिया, दिनेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राहुल सिंघल, मुरलीधर सोंथालिया, विमल सोंथालिया, गोपाल बलदेव, विनोद अग्रवाल, सुनील गुप्ता, माणिक लाल गुप्ता, राजेंद्र कुमार गुप्ता, कन्हैया लाल अग्रवाल, नर्सिंग अग्रवाल एवं डॉ. अजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिला सदस्य परिवार सहित उपस्थित थीं।

कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र कुमार अग्रवाल के सफल आयोजन की उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। संयोजक ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने एवं उपस्थित होने वाले सभी अग्रबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

विहिप से जुड़ें हिंदू समाज के लोग : बालास्वामी

जाति, क्षेत्र और राजनीति से ऊपर उठकर हिंदू समाज को संगठित होने का आह्वान



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद, तेलंगाना के राज्य धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालास्वामी ने हिंदू समाज के सभी लोगों से जाति, क्षेत्र, वर्ग एवं राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर विश्व हिंदू परिषद की सदस्यता ग्रहण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की एकता एवं संगठन से ही धर्म, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा संभव है।

प्रत्येक तीन वर्ष में आयोजित होने वाले विश्व हिंदू परिषद के सदस्यता अभियान का शुभारंभ सोमवार को हैदराबाद के एक निजी होटल में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में बालास्वामी ने किया। इस दौरान उन्होंने सदस्यता अभियान के महत्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। बालास्वामी ने कहा कि हिंदू समाज में एकता, सामाजिक समरसता और जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कश्मीर, बांग्लादेश, पाकिस्तान सहित विभिन्न क्षेत्रों में हिंदुओं पर हो रहे हमलों एवं अत्याचारों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज को संगठित रहने की आवश्यकता का संदेश देती हैं। उन्होंने धर्मांतरण पर रोक लगाने, गोहत्या के विरुद्ध प्रयास करने, मंदिरों की सुरक्षा एवं उनके वैभव की पुनर्स्थापना तथा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही जातिगत भेदभाव समाप्त कर सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को अपने अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संगठित होकर कार्य करना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के प्रमुख उद्देश्यों में सामाजिक एकता, धर्मरक्षा, समरसता एवं सेवा गतिविधियां शामिल हैं। उन्होंने सभी हिंदुओं से परिषद की सदस्यता लेकर इन कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान किया।



कांटेदान स्थित दुर्गानगर में नवनिर्मित श्री श्रीयादे माताजी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की आमंत्रण पत्रिका संगारेड्डी स्थित श्री आई माताजी मंदिर बडेर एवं सदाशिवपेट स्थित श्री गोपाल गौशाला में भेंट करते हुए धर्माराम भड़कोलिया, नोरतमल रांवरीया, चेलाराम भड़कोलिया, सुरेश रांवरीया, किशन थावलीया, सुनील बाबरिया, प्रेम प्रजापती एवं राकेशजी रांवरीया। इस अवसर पर बडेर अध्यक्ष प्रभुराम हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश काग एवं सचिव पीताराम चोयल उपस्थित रहे।

सड़क चौड़ीकरण पर व्यापारियों को असदुद्दीन ओवैसी का आश्वासन

बेगम बाजार के 300 व्यापारियों एवं संपत्ति मालिकों के प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद सांसद से की मुलाकात

100 फीट सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव वापस लेने की मांग

80 फीट सड़क और एकतरफा यातायात का विकल्प सुझाया, प्रभावित व्यापारियों को मौजूदा बाजार दर से मुआवजा देने की मांग



हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण और भूमि अधिग्रहण को लेकर प्रभावित व्यापारियों एवं संपत्ति मालिकों के लगभग 300 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को एआईएमआईएम अध्यक्ष एवं हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी से पार्टी मुख्यालय दारुस्सलाम में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की ओर से जारी भूमि अधिग्रहण नोटिसों पर आपत्ति जताते हुए प्रस्तावित 100 फीट सड़क चौड़ीकरण को वापस लेने की मांग की।

व्यापारियों का कहना था कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही नहीं होती, इसलिए बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण कर सड़क को 100 फीट चौड़ा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से ऐतिहासिक व्यापारिक प्रतिष्ठान प्रभावित होंगे तथा सैकड़ों परिवारों के कारोबार, आवास और आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा।

80 फीट चौड़ाई और वन-वे का दिया सुझाव

प्रतिनिधिमंडल ने सांसद के सामने पांच प्रमुख मांगें रखीं। इनमें बेगम बाजार से एमजे मार्केट तक एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू करना और सड़क चौड़ीकरण को 80 फीट तक सीमित रखना प्रमुख है। व्यापारियों ने कहा कि वर्तमान यातायात स्थिति को देखते हुए पहले एकतरफा यातायात व्यवस्था का परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण की स्थिति में मुआवजा वास्तविक प्रचलित बाजार दर के अनुसार देने की मांग की। व्यापारियों के अनुसार, क्षेत्र में जमीन की कीमत लगभग 6 से 12 लाख रुपये प्रति गज है। उन्होंने बेगम बाजार को ऐतिहासिक एवं विरासत से जुड़ा व्यापारिक केंद्र बताते हुए कहा कि यहां कई प्रतिष्ठान एक सदी से अधिक समय से संचालित हैं। अनेक संपत्तियों में नीचे दुकानें और ऊपर आवास बने हुए हैं। सड़क चौड़ीकरण के कारण प्रभावित परिवारों को दुकान, मकान और आजीविका तीनों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इन संपत्तियों से उनकी पुश्तैनी विरासत, जीवनभर की जमा पूंजी और पारिवारिक यादें जुड़ी हुई हैं।

अधिकारियों और मंत्री से बैठक का आश्वासन

व्यापारियों की पूरी बात धैर्यपूर्वक सुनने के बाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वे संबंधित अधिकारियों और मंत्री के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि विकास कार्य भी जारी रहें और किसी दुकानदार के कारोबार या आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव भी न पड़े, इसके लिए संतुलित समाधान निकालने की आवश्यकता है।

ओवैसी ने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के माध्यम से बताया कि वे इस मामले को जीएचएमसी आयुक्त के समक्ष उठाएंगे।

उन्होंने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि विकास कार्यों के साथ प्रभावित दुकानदारों के हितों की रक्षा भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने जीएचएमसी की योजनाओं की समीक्षा के बाद 27 या 28 नवंबर के आसपास अधिकारियों के साथ आगे की बैठक आयोजित करने की बात कही। इसमें व्यापारियों के छोटे प्रतिनिधिमंडल को शामिल किया जाएगा, ताकि प्रस्तावित योजना पर विस्तार से चर्चा कर उचित समाधान निकाला जा सके।

प्रतिनिधिमंडल में अनुकुर भाटी, बाकर भाई, राम यादव, बृजगोपाल जोशी, मनीष, शरद मुंद्रा, श्रीगोपाल राठी, केशव, रामस्वरूप, शंकर यादव, प्रमोद जैन, अभिमन्यु यादव, हरिदर्शन मानसिंह, जगन्नाथ मानसिंह, पुजारी माता मंदिर, शरद वर्मा, बीना वर्मा, अनुकुर भाटी, अनीता अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, आशीष गेहलोत, रंगनाथ काबरा, श्यामसुंदर झंवर, गिरिधर राव, राजगोपाल काबरा, कृष्णा काबरा, विलास बजाज, कमलेश बजाज, डॉ. संदीप साबू, सागर वोरा, हरि वोरा, करण नागला, दीपक गुजराती, मदनगोपाल सोनी, आदित्य ठाकुर, डी. गोपाल राव, डी. मोहन राव, डी. नरसिंग प्रसाद, के. वेंकटेश, के. नरसिंग और अनिल जैन सहित लगभग 300 व्यापारी एवं संपत्ति मालिक उपस्थित थे।

बैठक के दौरान व्यापारियों ने सांसद को सम्मान स्वरूप माला एवं शॉल भेंट करना चाहा, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले व्यापारियों की समस्याओं का समाधान और कार्य पूरा होने दें, उसके बाद ही वे सम्मान स्वीकार करेंगे। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर हर समय उपलब्ध रहने तथा क्षेत्र के विकास कार्यों में सहयोग का आश्वासन भी दिया। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, अगले सप्ताह संबंधित अधिकारियों एवं मंत्री के साथ बैठक प्रस्तावित है।

मानव तस्करी पर जागरूकता सेमिनार आयोजित



हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्त्री शक्ति समुन्नता, तेलंगाना की ओर से रेड्डी वुमेन्स कॉलेज में मानव तस्करी विषय पर जागरूकता सेमिनार एवं संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट श्रीमती चंद्रावती कालीदिंडी प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में कॉलेज की उपप्राचार्या श्रीमती सिंदुरी ने भी सहभागिता की।

कार्यक्रम में बीएसएस कार्यकर्ता शांति मोडली, विशाखा मशानकर, पूनम नोमुलवार, सुमन गुप्ता, कामिनी वर्मा, निशी सक्सेना, वीणा मुथियाम, सौम्या आडेपल्ली, सुप्रीत कौर, भार्गवी तारा, ममता सांखला, कीर्तना यादव, अनामिका, अरुणा, अमित रानी एवं देवकी तारा का सक्रिय सहयोग रहा।

पू. महासती मंडल का कृतज्ञता एवं अभिनंदन समारोह संपन्न



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट की ओर से रविवार, 22 नवंबर को पूज्य महासती श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल' एवं महासती श्री विनयश्रीजी म.सा. के चातुर्मास समापन के उपलक्ष्य में कृतज्ञता एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महासती मंडल के धर्म, तप, त्याग, संयम एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन की अनुमोदना करते हुए संघ के पदाधिकारियों एवं श्रावक-श्राविकाओं ने भावपूर्ण अभिनंदन किया। संघ अध्यक्ष सुरेश गादिया, मंत्री अशोक सिंघवी, उपाध्यक्ष ज्ञानचंद रांका, गिरिराज सिंघी, मार्गदर्शक कुशलराज पोकरणा, चातुर्मास प्रधान संयोजक दिलीप गादिया एवं योगेश सिंघी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए। महिला मंडल एवं अन्य सदस्यों ने गीतिकाओं के माध्यम से भावनाएं प्रस्तुत कीं। समारोह में अखंड नवकार महामंत्र जाप के मंत्रित कलश एवं महासतीजी द्वारा मंत्रित कलश के लाभार्थी परिवारों का भी उल्लेख किया गया। चातुर्मास में एखासना एवं आयंबिल की सेवा करने वाले बंब सिंघी परिवार का सम्मान किया गया। अंत में गौतम प्रसादी का आयोजन हुआ।

दूध संग्रहण में इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआत

हेरिटेज फूड्स और टीवीएस मोटर कंपनी की संयुक्त पहल



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हेरिटेज फूड्स लिमिटेड ने टीवीएस मोटर कंपनी के साथ साझेदारी में गांवों से दूध संग्रहण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की शुरुआत की है। शमीरपेट स्थित हेरिटेज फूड्स प्लांट में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी की कार्यकारी निदेशक ब्राह्मणी नारा, मुख्य परिचालन अधिकारी सांबा मूर्ति जंगम तथा टीवीएस मोटर कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट एवं कमर्शियल मोबिलिटी बिजनेस हेड रजत गुप्ता ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ब्राह्मणी नारा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दूध संग्रहण व्यवस्था को अधिक किफायती, कुशल और पर्यावरण अनुकूल बनाना है। डीजल वाहनों के स्थान पर इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से ईंधन पर निर्भरता और परिवहन लागत कम करने के साथ प्रदूषण घटाने में मदद मिलेगी। यह साझेदारी दुग्ध उत्पादकों के हितों को मजबूत करने और टिकाऊ डेयरी आपूर्ति व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हथियारबंद हमलावरों ने की मुर्तुज़ा पहलवान की हत्या



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले में सोमवार शाम एक सनसनीखेज वारदात सामने आई।

हिमायत सागर स्थित इको पार्क के पास एआईएमआईएम नेता मुर्तुज़ा पहलवान पर हथियारों से लैस हमलावरों के एक समूह ने हमला कर उनकी हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, इस वारदात में करीब 8 से 10 लोग शामिल थे, जिन्होंने मुर्तजा पहलवान को घेरकर अचानक हमला किया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

मुर्तुज़ा पहलवान के रिश्तेदार बताए जा रहे एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, घटना सोमवार शाम करीब 6:15 बजे हिमायत सागर स्थित इको पार्क के पास हुई। हमलावर हथियारों से लैस होकर पहुंचे और मुर्तजा पहलवान को घेरकर उन पर बेरहमी से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी का दावा है कि पूरी वारदात कुछ ही मिनटों में हुई। हमले में मुर्तजा पहलवान गंभीर रूप से घायल हो गए।

हमले के बाद मुर्तजा पहलवान को तत्काल जर्मनटेन अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, हमला इतना अचानक और गंभीर था कि मुर्तजा पहलवान को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि हमले में करीब 8 से 10 लोग शामिल थे और सभी हथियारों से लैस थे।

हमलावरों ने मुर्तजा पहलवान को घेरकर हमला किया और वारदात के बाद घटनास्थल से फरार हो गए।

, हमलावरों की संख्या, उनकी पहचान और हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों के संबंध में पुलिस की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

घटना के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है।

हमलावरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

मुर्तजा पहलवान पर हुए हमले के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस पुरानी रंजिश, व्यक्तिगत विवाद अथवा अन्य संभावित कारणों सहित विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। किसी भी आरोपी की भूमिका और हमले के मकसद की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

घटना के बाद हिमायत सागर, राजेंद्रनगर और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई। दिनदहाड़े हथियारों से लैस हमलावरों द्वारा हत्या की इस वारदात ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

आदर्श विद्या संघ के अध्यक्ष बने जितेंद्र मरड़िया, महेश नाहर सचिव



जितेंद्र मरड़िया, अध्यक्ष

महेश नाहर, सचिव

बेंगलूरु, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चामराजपेट स्थित आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ऑडिटोरियम में आदर्श विद्या संघ की 54वीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर 21 नवंबर को संपन्न निर्वाचन प्रक्रिया में 15 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। पूर्व अध्यक्ष हस्तीमल सिसोदिया के मार्गदर्शन में वर्ष 2026-2031 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें जितेंद्र मरड़िया को अध्यक्ष, संजय एम. धारीवाल एवं दिनेश बोहरा को उपाध्यक्ष, महेश नाहर को मानद मंत्री, चेतन मरलेचा एवं अशोक भंसाली को संयुक्त मंत्री तथा भेरुमल एच. भंडारी को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष पदमराज मेहता सहित सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि संस्था के अंतर्गत स्कूल से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

पोषण-टीकाकरण पर जागरूकता



बहलोलपुर, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 'सेहत सही लाभ कई' स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो 90.4 एफएम की ओर से ग्राम बहलोलपुर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर समुदाय आधारित नैरोकास्टिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र पर उपस्थित महिलाओं के साथ सही पोषण, संतुलित आहार, पौष्टिक भोजन और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर संवाद किया गया। साथ ही, बच्चों एवं महिलाओं के टीकाकरण की आवश्यकता, टीकाकरण समय-सारणी और इससे होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिलाओं ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई और अपने अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने बताया कि जब हर महिला पोषण के प्रति जागरूक होगी, तभी प्रत्येक परिवार स्वस्थ बनेगा और देश प्रगति की ओर अग्रसर होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करना तथा सही जानकारी को हर घर तक पहुंचाना है।



कलश यात्रा में जेबतराशी

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल पुलिस ने बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ में आयोजित कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालु की जेब से 9 हजार रुपये चोरी करने के मामले में एक आरोपी काम्बले को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 4,500 रुपये नकद बरामद किए हैं, जबकि उसका दूसरा साथी फरार है। यह मामला गोशामहल पुलिस थाने में अपराध संख्या 432/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) एवं 3(5) में दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर को शिकायतकर्ता कलश यात्रा में शामिल होने खेमदास मठ पहुंचा था। भीड़ के दौरान उसकी पैंट की पिछली जेब में रखे 9 हजार रुपये चोरी हो गए। काफी तलाश के बाद भी रुपये नहीं मिलने पर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि आरोपी काम्बले मल्लेश उर्फ मल्लि (28), निवासी मल्लेपल्ली अफजलसागर, हैदराबाद, अपने साथी मोहम्मद आमेर के साथ भीड़ में शामिल हुआ था। कथित तौर पर आमेर आसपास के लोगों पर नजर रख रहा था और मल्लेश ने श्रद्धालु की जेब से नकदी निकाल ली। बाद में दोनों ने 9 हजार रुपये आपस में 4,500-4,500 रुपये बांट लिए। पुलिस टीम ने 22 नवंबर की शाम जुमेरात बाजार में आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस ने पंच गवाहों की मौजूदगी में उसके पास से 4,500 रुपये बरामद किए। उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण के बाद नामपल्ली स्थित 16वें अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हनुमान मंदिर में छप्पन भोग और अन्नकूट महोत्सव आयोजित



हैदराबाद , 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिमायत सागर स्थित श्री दक्षिणमुखी वीर हनुमान मंदिर परिसर में 56 भोग एवं अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर लगभग 800 से अधिक भक्तों ने अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी गोपाल बल्दवा, श्री राम सेवा समिति भाग्यनगर के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष पंकज वर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर पंडित लालजी शुक्ला एवं मंदिर के पुजारी विनीत शुक्ला भी मौजूद थे। अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल, भाग्यनगर के सदस्य भी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.